पढ़े चलो, बढ़े चलो

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल
द्वारा वर्ष 2022 के लिए जारी प्रश्न बैंक

प्रश्न बैंक

(रेमेडियल माड्यूल के प्रश्न-उत्तर सहित)

उत्तर सहित

MP BOARD OFFICIAL

अर्थशास्त्र

कक्षा 11

नई ब्लू प्रिंट सहित

GPH®

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल द्वारा जारी, प्रश्न बैंक उत्तर सहित

जी पी एच

प्रश्न बैंक

अर्थशास्त्र : कक्षा-11वीं

समय : 3 घंटे] प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट (Blue Print of Question Paper) [पूर्णांक : 80

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	
1.	**भाग-1** अर्थशास्त्र में सांख्यिकी एवं अर्थशास्त्र का परिचय	04	02	01	–	–	02
2.	आंकड़ों का संग्रह, संगठन एवं प्रस्तुतिकरण	10	03	02	01	–	03
3.	केंद्रीय प्रवृत्ति की माप	10	04	01	–	01	02
4.	परिक्षेपण की माप	08	03	01	01	–	02
5	सहसंबंध, सूचकांक एवं सांख्यिकी की विधियों का उपयोग	08	04	–	–	01	01
6.	**भाग-2** विकास नीतियाँ और अनुभव (1947-90) स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था (1950-90)	12	04	02	–	01	03
7	आर्थिक सुधार 1991 से उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण एवं समीक्षा	07	03	–	–	01	01
8.	भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ	10	04	03	–	–	03
9.	आधारिक संरचना, पर्यावरण और धारणीय विकास	06	03	–	01	–	03
10	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	05	02	–	01	–	01
	कुल योग	**80**	**32**	**20**	**12**	**16**	**18 + 5 = 23**

MP BOARD OFFICIAL

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश-

(1) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 07 अंक, सही जोड़ियाँ 06 अंक, एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर 07 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु 1 अंक निर्धारित है।

(2) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर अन्य सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान इकाई/ उप इकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी- ● अति लघुत्तरीय प्रश्न (2 अंक) - शब्द सीमा अधिकतम 30 शब्द ● लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक) - शब्द सीमा अधिकतम 75 शब्द ● विश्लेषणात्मक प्रश्न (4 अंक) - शब्द सीमा अधिकतम 120 शब्द।

(3) 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40 प्रतिशत पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत विश्लेषणात्मक प्रश्न होंगे।

(4) सत्र 2021-22 हेतु कम किये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पत्र में प्रश्न न दिये जायें।

(5) पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रायोजना कार्य हेतु 20 अंक आवंटित हैं।

अर्थशास्त्र : कक्षा-11वीं

[कम किए गए पाठ्यक्रम की विषय वस्तु की सूची]

क्र.	पुस्तक/ विषय वस्तु का नाम	अध्याय	कम किये गये अध्याय/ विषय वस्तु का नाम
1.	अर्थशास्त्र में सांख्यिकी (पुस्तक-1)	अध्याय-6 परिक्षेपण की माप	विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, विस्तार गुणांक चतुर्थक विचलन गुणांक, माध्य विचलन गुणांक
		अध्याय-7 सहसंबंध	स्पियरमेन का कोटी अंतर सहसंबंध
		अध्याय-8 सूचकांक	औद्योगिक सूचकांक (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक)
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास (पुस्तक-2)	अध्याय-5 भारत में मानव पूँजी का निर्माण	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि
		अध्याय-6 ग्रामीण विकास	जैविक खेती
		अध्याय-8 आधारिक संरचना	ऊर्जा

भाग-1

इकाई-1 सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का परिचय

MP BOARD OFFICIAL

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. निम्नलिखित में से कौन आर्थिक गतिविधि में संलग्न है?

(अ) एक पिता अपने बच्चों के लिए किताबें खरीद रहा है
(ब) एक किसान स्वयं के उपभोग के लिए गेहूँ उगा रहा है
(स) एक व्यक्ति एक मंदिर जा रहा है
(द) (अ) और (ब) दोनों

2. एक आर्थिक समस्या उत्पन्न होती है क्योंकि?

(अ) मानव चाहता है असीमित
(ब) साधन सीमित हैं
(स) संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग हैं
(द) उपरोक्त सभी

3. डेटा के समुच्चय को कहा जाता है-

(अ) सांख्यिकी (ब) डेटा का संपादन
(स) डेटा का विश्लेषण (द) डेटा एकत्र करना

4. आँकड़ों का दायरा तक फैला हुआ है-

(अ) अर्थशास्त्र (ब) उद्योग
(स) सरकार (द) ये सभी

उत्तर- 1.(द), 2.(द), 3.(अ), 4.(द)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) सांख्यिकी ..... जटिल डेटा।
(2) ..... सभी उत्पादन गतिविधियों का आधार है।
(3) सांख्यिकीय आंकड़े ..... कारणों से प्रभावित होते हैं।
(4) मानव की जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों का ..... उपयोग होता है।

उत्तर- (1) सरल करता है, (2) उपभोग, (3) बहु, (4) वैकल्पिक।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) सांख्यिकी आर्थिक समस्याओं का समाधान करती है।
(2) आँकड़ों की व्याख्या सांख्यिकीय अध्ययन का अन्तिम चरण है।
(3) सभी मात्रात्मक जानकारी सांख्यिकी है।
(4) वितरण एक आर्थिक गतिविधि है।

उत्तर- (1) सत्य, (2) सत्य, (3) असत्य, (4) सत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
(1) किसान	(अ) सेवा धारक
(2) दुकानदार	(ब) सेवा प्रदाता
(3) कैब ड्राइवर	(स) विक्रेता
(4) एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी	(द) निर्माता में एक कर्मचारी

उत्तर- (1)-(द), (2)-(स), (3)-(ब), (4)-(अ)।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

(1) "अर्थशास्त्र जीवन के सामान्य व्यवसाय में मानव जाति का अध्ययन है" यह परिभाषा किसके द्वारा दी गई है?

(2) किस प्रक्रिया में कच्चे माल को उपयोगिता वाले अन्तिम उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है?

(3) तथ्यों को सरल और निश्चित रूप में प्रस्तुत करने में क्या सहायक है?

(4) किन चरों को संख्यात्मक शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है?

उत्तर- (1) अल्फ्रेड मार्शल, (2) उत्पादन, (3) सांख्यकी, (4) मात्रात्मक चर।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अर्थशास्त्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- अर्थशास्त्र दो शब्दों "अर्थ" + "शास्त्र" के योग से बना है। अर्थ से आशय 'धन' एवं 'शास्त्र' का अर्थ 'विवेचना' से होता है। इस प्रकार धन की विवेचना करने वाले शास्त्र को अर्थशास्त्र कहेंगे। शाब्दिक उत्पत्ति के आधार पर अर्थशास्त्र घर या परिवार की आवश्यकताओं की व्यवस्थित कला है।

प्रश्न 2. आर्थिक डेटा क्या है?

उत्तर- मनुष्य द्वारा धन कमाने के उद्देश्य से की गई समस्त क्रियाएँ, जिन्हें मुद्रा में मापा जा सकता है आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं। जैसे- शिक्षक द्वारा शिक्षण, चिकित्सक के द्वारा रोगी का उपचार करना आदि। आर्थिक क्रियाओं से मनुष्य को धन की प्राप्ति होती है जिससे वह अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि करता है।

प्रश्न 3. उपभोक्ता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- जो व्यक्ति विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं का उपभोग करता है या उन्हें उपयोग में लेता है, उसे उपभोक्ता कहते हैं। वस्तुओं में उपभोक्ता वस्तुएँ (जैसे- गेहूँ, आटा, नमक, चीनी, फल आदि) एवं स्थायी वस्तुएँ (जैसे- टेलीविजन, मिक्सर, साइकिल आदि) सम्मिलित हैं।

प्रश्न 4. सांख्यिकी क्या है?

उत्तर- सांख्यिकी गणित की वह शाखा है जिसमें आँकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों का आकलन क्षेत्रों में लागू है।

प्रश्न 5. सांख्यिकी के कोई दो कार्य लिखिए।

उत्तर- सांख्यिकी के कार्य-

(1) सांख्यिकी का कार्य तथ्यों को सूक्ष्म तथा सरल रूप में प्रस्तुत करना है।

(2) समंकों के बीच तुलनात्मक अध्ययन के लिए आधार प्रस्तुत करना।

प्रश्न 6. बचत क्या है?

उत्तर- सामान्य अर्थों में बचत का अर्थ धन को संरक्षित करने तथा बैंक रखने, पेंशन फंड में निवेश करने इत्यादि से लगाया जाता है। लेकिन व्यापक अर्थ में 'बचत' शब्द खर्च घटाने, संसाधन बचाने जैसी आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रयुक्त होता है। □

MP BOARD OFFICIAL

इकाई-2 डेटा का संग्रह

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. लॉटरी निकालने के लिए ..... सैंपलिंग का उपयोग किया जाता है।

(अ) यादृच्छिक रूप से (ब) उद्देश्य

(स) स्तरीकृत (द) कोटा

2. नमूने के बीच तुलना करते समय निम्नलिखित में से किन कारकों पर विचार किया जाता है और जनगणना पद्धति बनाई जाती है?

(अ) सर्वेक्षण का क्षेत्र (ब) डेटा की शुद्धता

(स) संग्रह की लागत (द) उपरोक्त सभी

3. किसी तथ्य की वह विशेषता जिसे संख्याओं के रूप में मापा जा सकता है, कहलाती हैं-

(अ) आवृत्ति (ब) चर

(स) विशेषता (द) इनमें से कोई नहीं

4. किसी वर्ग की ऊपरी सीमा और निचली सीमा के बीच के अन्तर को कहा जाता है-

(अ) रेंज (ब) वर्ग अंतराल का परिमाण
(स) आवृत्ति (द) वर्ग सीमा

5. आँकड़ों को तालिका के रूप में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया कहलाती है-

(अ) संगठन (ब) प्रस्तुति
(स) वर्गीकरण (द) सारणीकरण

6. अस्थायी वर्गीकरण में, डेटा को इसके आधार पर वर्गीकृत किया जाता है-

(अ) स्थल (ब) समय
(स) मौलिकता (द) उद्देश्य

उत्तर- 1.(अ), 2.(द), 3.(ब), 4.(ब), 5.(द), 6.(ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) स्थानिक वर्गीकरण में ..... वर्गीकृत चर बन जाते हैं।

(2) ..... एक तालिका की पंक्तियों का शीर्षक है।

(3) एक ..... श्रृंखला वह श्रृंखला है जिसमें इसकी ऊपरी सीमा तक सभी आइटम शामिल होते हैं।

(4) ..... वर्गीकरण डेटा की विशेषताओं के अनुसार किया जाता है।

(5) ..... विधि छोटे आकार की जनसंख्या के लिए उपयुक्त है।

(6) यादृच्छिक के तहत, ब्रह्मांड की प्रत्येक वस्तु के चुने जाने की ..... संभावना होती है।

उत्तर- (1) स्थान, (2) आधार, (3) समावेशी, (4) गुणात्मक, (5) जनगणना, (6) बराबर।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) नमूने की विश्वसनीयता जांचकर्ताओं के प्रशिक्षण पर निर्भर करती है।

(2) जनगणना पद्धति में प्रगणकों की कम संख्या की आवश्यकता होती है।

(3) संचयी बारंबारता वर्ग की बारंबारता के रूप में।

(4) असतत चर के मामले में, डेटा भिन्नों में व्यक्त किया जाता है।

(5) हिस्टोग्राम केवल समान वर्ग अंतराल के लिए खींचा जाता है।

(6) दंड आरेख में दंडों की चौड़ाई बराबर नहीं होनी चाहिए।

उत्तर- (1) सत्य, (2) असत्य, (3) असत्य, (5) असत्य, (6) असत्य।

प्रश्न 4. जोड़ियों का मिलान करें-

(अ)	(ब)
(अ) अंकगणितीय रेखा रेखांकन	(i) एब्सिस
(ब) क्षैतिज रेखा	(ii) वर्तमान समय श्रृंखला तिथि के लिए निर्मित
(स) बार आरेख	(iii) ऊपर की ओर उठना
(द) ओगिव से कम	(iv) दो आयामी आरेख
(इ) पाई आरेख	(v) गुणात्मक आयाम
(फ) गुण	(vi) वृत्ताकार आरेख

उत्तर- (अ)-(ii), (ब)-(i), (स)-(iv), (द)-(iii), (इ)-(vi), (फ)-(v)।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

(1) हम अंकगणितीय रेखा ग्राफ को क्या कहते हैं?

(2) सभी आयतों के शीर्षों के मध्य बिन्दुओं को a में मिलाने पर खींची गई आकृति कौन-सी है?

(3) किसी तालिका के कोई दो प्रमुख घटक लिखिए।

(4) हम बार्स को क्या कहते हैं?

(5) सामान्य वक्र का आकार कैसा होता है?

(6) पियर्सन का सूत्र दीजिए।

उत्तर- (1) समय श्रृंखला ग्राफ, (2) आवृत्ति बहुभुज, (3) शीर्षक, स्टब्स, कैप्शन, फुटनोट (कोई भी दो), (4) कॉलम, (5) घंटी के आकार के वक्र, (6) रेंज = उच्चतम मान श्रृंखला - श्रृंखला में सबसे कम मूल्य।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. काल श्रृंखला आँकड़ों के चित्रमय प्रस्तुतीकरण की दो सीमाएँ बताइए।

उत्तर- जब वास्तविक या मौलिक समंकों के स्थान पर उनके निर्देशांकों अर्थात् सापेक्षिक मूल्यों को बिन्दुरेखीय पत्र पर प्रांकित किया जाता है, तब इसे निर्देशांक कालिक चित्र कहते हैं।

प्रश्न 2. एक वर्ष में मासिक वर्षा को निरूपित करने के लिए किस प्रकार के आरेख अधिक प्रभावी होते हैं?

उत्तर- वर्ष विशेष की मासिक वर्षा को प्रस्तुत करने के लिए दण्ड-आरेख अधिक प्रभावी है क्योंकि यहाँ एक चर को ही प्रस्तुत करना है।

MP BOARD OFFICIAL

प्रश्न 3. आँकड़ों के शाब्दिक प्रस्तुतीकरण की कोई दो सीमाएँ बताइए।

उत्तर- सीमाएँ निम्नलिखित हैं-

(1) पाठ-विषयक या वर्णात्मक प्रस्तुतिकरण।

(2) सारणीबद्ध प्रस्तुतीकरण।

(3) आरेखीय या चित्रमय एवं बिन्दुरेखीय प्रस्तुतीकरण।

प्रश्न 4. चर के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर- चर के दो उदाहरण निम्न हैं-

(1) $y + 5 = 36$ में y एक चर है और यहाँ y का मूल्य 31 होगा।

(2) जैसे- तापमान दिन के समय पर निर्भर करता है।

प्रश्न 5. अच्छी प्रश्नावली के कोई दो गुण लिखिए।

उत्तर- अच्छी प्रश्नावली के दो गुण निम्न हैं-

(1) सरल और स्पष्ट प्रश्न, स्पष्ट और सटिक होने चाहिए।

(2) प्रश्नावली उधार और सीमित होना चाहिए।

प्रश्न 6. दूरभाष पर साक्षात्कार के दो लाभ बताइए।

उत्तर- लाभ निम्नलिखित हैं-

(1) साक्षात्कार विधि को प्रयोग में लाना सरल है।

(2) छात्रों की अंतर्दृष्टि को विकसित करने में सहायक होती है।

प्रश्न 7. प्राथमिक आँकड़ों की दो विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- (1) प्राथमिक आँकड़ें वे मौलिक आँकड़ें होते हैं जिन्हें अनुसंधानकर्ता स्वयं एकत्र करते हैं।

(2) ये आँकड़ें प्रथम बार व्यक्तिगत रूप से अथवा व्यक्तियों के समूह संस्था/संगठन द्वारा एकत्रित किये जाते हैं।

प्रश्न 8. द्वितीयक डेटा प्राथमिक डेटा से कैसे भिन्न है?

उत्तर- प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों में अन्तर निम्नलिखित हैं-

क्र.	प्राथमिक समंक	द्वितीयक समंक
(1)	ये मौलिक होते हैं। इनका संकलन स्वयं अनुसंधान-कर्ता द्वारा प्रथम बार किया जाता है।	ये मौलिक नहीं होते, वरन् किसी अन्य संस्था या व्यक्ति के द्वारा संकलित किए जाते हैं।
(2)	ये उद्देश्य के अनुकूल होते हैं। इनमें संशोधन की आवश्यकता नहीं होती।	इन्हें संशोधित करके उद्देश्य के अनुकूल बनाया जाता है।
(3)	इनके संकलन में समय, श्रम एवं धन अधिक व्यय होता है।	इनके संकलन में समय, श्रम और धन बहुत कम लगता है।
(4)	इनके प्रयोग में सतर्कता की आवश्यकता नहीं होती है।	द्वितीयक समंकों के प्रयोग में सतर्कता की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 9. जनसंख्या को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

उत्तर- जीव विज्ञान में, विशेष प्रजाति के अंत: जीव प्रजनन के संग को जनसंख्या कहते हैं। समाजशास्त्र में इसे मनुष्यों का संग्रह कहते है। जनसांख्यिकी, मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है।

प्रश्न 10. अच्छे प्रतिदर्श की कोई दो विशेषताएँ दीजिए।

उत्तर- विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(1) प्रतिदर्श पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

(2) एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श प्राप्त करने के लिए प्रतिदर्श बेतरतीब ढंग से चुना जाना चाहिए।

प्रश्न 11. फ्रीक्वेंसी ऐरे को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- दिए हुए आँकड़ों के विभिन्न प्रेक्षणों अथवा वर्ग अंतरालों की बारंबारताएँ दर्शाने वाली सारणी बारंबारता बंटन सारणी कहलाती है।

प्रश्न 12. वर्गीकरण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- वर्गीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें एकत्रित समंकों को उनकी विभिन्न विशेषताओं के आधार पर अलग-अलग समूहों, वर्गों या उपवर्गों में क्रमबद्ध किया जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अनन्य और समावेशी श्रृंखला के बीच अन्तर कीजिए।

उत्तर- अनन्य श्रृंखला का उपयोग विशेषण और संज्ञा के रूप में किया जाता है। इस श्रृंखला में एक वर्ग के ऊपरी सीमा उस वर्ग में शामिल नहीं होती है और आने वाली कक्षा में शामिल होती है। **उदाहरण-** 0-110, 110-120, 120-130, ...। समावेशी श्रृंखला वह श्रृंखला है जिसमें एक वर्ग की ऊपरी सीमा दूसरे वर्ग की निचली सीमा के बराबर नहीं होती। अत: एक वर्ग की ऊपरी सीमा का मूल्य भी उसी वर्ग में शामिल होता है।

प्रश्न 2. सारणीबद्ध प्रस्तुति के गुण लिखिए।

उत्तर- 1. उपयुक्त आकार- उद्देश्य के अनुरूप ही सारणी का आकार होना चाहिए। सारणी न तो ज्यादा बड़ी और और न बहुत छोटी होना चाहिए।

MP BOARD OFFICIAL

2. वैज्ञानिकता- सारणी वैज्ञानिक तरीके से बनायी जाना चाहिए। इसे बनाते समय क्रमबद्धता, तर्कशक्ति आदि बातें ध्यान में रखना चाहिए।

3. उद्देश्यानुसार- सारणी का निर्माण उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए।

4. तुलनात्मकता- सारणी का निर्माण ऐसा होना चाहिए जिससे वह किन्हीं दो उद्देश्यों की तुलना कर सके।

5. इकाई का उल्लेख- यदि सारणी में विभिन्न इकाइयों का उपयोग हुआ है तो उनका उल्लेख यथास्थान होना चाहिए।

प्रश्न 3. वर्ग मध्य मान का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- वर्ग माध्य मूल की गणना अलग-अलग मान दिए होने पर की जा सकती है या किसी सतत परिवर्तनशील फलन के लिए की जा सकती है।

वर्ग माध्य मूल का शाब्दिक अर्थ है- दिए हुए आँकड़ों के वर्गों के माध्य का वर्गमूल।

प्रश्न 4. निम्नलिखित आँकड़ों का बारंबरता वक्र बनाइए-

उम्र साल	निवासी की संख्या
0-10	150
10-20	300
20-30	500
30-40	800
40-50	1000
50-60	900
60-70	400
70-80	100

उत्तर-

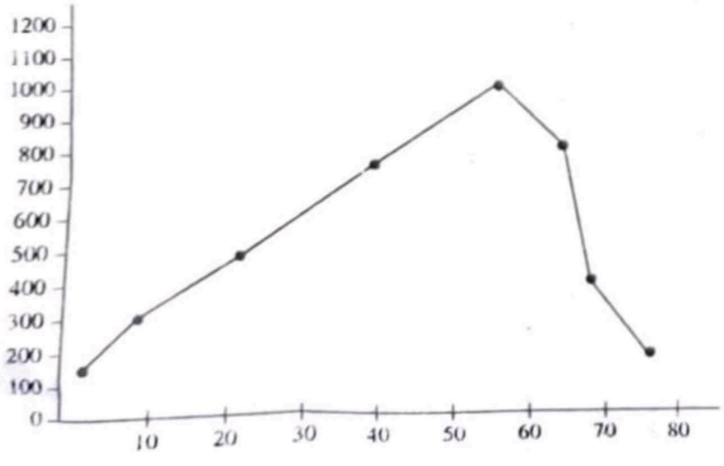

बारंबारता वक्र

प्रश्न 5. निम्नलिखित सूचनाओं को एक उपयुक्त आलेख के रूप में प्रस्तुत कीजिए-

वर्ष	निर्यात (करोड़ में)
2014-15	600
2015-16	640
2016-17	670
2017-18	780
2018-19	900

उत्तर-

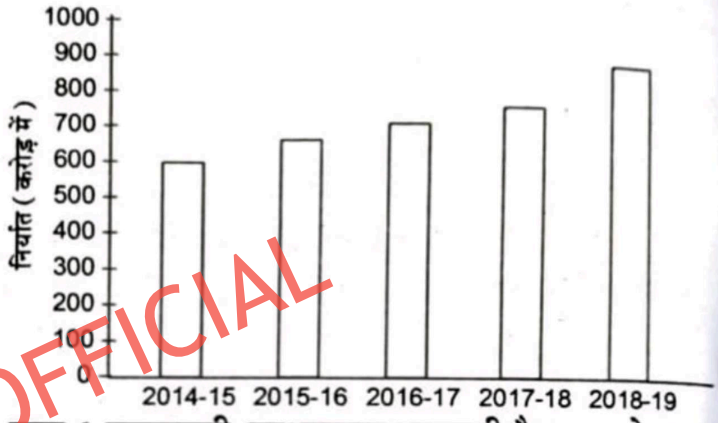

प्रश्न 6. प्रश्नावली/साक्षात्कार अनुसूची तैयार करते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

उत्तर- प्रश्नावली/साक्षात्कार अनुसूची तैयार करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए-

(1) अनुसूची निर्माण के भौतिक या बाहरी पक्षों में उन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिनका उल्लेख प्रश्नावली के निर्माण के दौरान किया गया है।

(2) अनुसूचो का आकार 8" × 11" से बड़ा नहीं होना चाहिए।

(3) सूचनाएँ लिखने के लिए पर्याप्त खाली स्थान छोड़ा जाना चाहिए।

(4) अनुसूची के निर्माण में उचित शब्दों व प्रश्नों का चयन आवश्यक है। □

इकाई-3 केंद्रीय प्रवृत्ति की माप

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. केंद्रीय प्रवृत्ति का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपाय है-

(अ) अंकगणित औसत (ब) मंझला

(स) तरीका (द) ऊपर के सभी

MP BOARD OFFICIAL

2. माध्यिका एक ..... औसत है।

(अ) गणना (ब) अवस्था का

(स) दोनों (द) इनमें से कोई भी नहीं

3. मोड द्वारा स्थित किया जा सकता है-

(अ) समूहन (ब) निरीक्षण

(स) दोनों (द) इनमें से कोई भी नहीं

4. गुणात्मक माप के लिए सबसे उपयुक्त औसत है-

(अ) अंकगणित औसत (ब) मंझला

(स) तरीका (द) जियोमेट्रिक माध्य

5. निम्नलिखित में से कौन स्थितीय औसत हैं?

(अ) मंझला (ब) चतुर्थक

(स) तरीका (द) अ और ब दोनों

6. गणना करते समय डेटा को आरोही और अवरोही क्रम में व्यवस्थित करने की आवश्यकता नहीं है।

(अ) मंझला (ब) तरीका

(स) अर्थ (द) 'ब' और 'स' दोनों

7. चरम वस्तुओं की उपस्थिति से कौनसा औसत सबसे अधिक प्रभावित होता है?

(अ) मंझला (ब) तरीका

(स) अंकगणित औसत (द) इनमें से कोई भी नहीं

8. चरम मान का बहुलक पर ..... प्रभाव पड़ता है।

(अ) उच्च (ब) कम

(स) नहीं (द) इनमें से कोई नही

उत्तर- 1.(अ) 2.(ब) 3.(स) 4.(ब) 5.(द) 6.(द) 7.(स) 8.(स)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) कल्पित माध्य को ..... द्वारा व्यक्त किया जा सकता है।

(2) ..... में समांतर माध्य, सभी मूल्यों भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है।

(3) मेडियन ..... चरम परिवर्तन से होता है।

(4) बहुलक = 3 माध्यिका - 2 .....

(5) ..... श्रृंखला में सबसे अधिक बार होता है।

(6) प्रेक्षणों के एक समुच्चय का उनके माध्य से विचलन का योग सदैव होता है .....

(7) माध्यिका की गणना के लिए, मानों को ..... में व्यवस्थित किया जाना चाहिए।

(8) इन संख्याओं की माध्यिका: 3, 5, 7, 9, 12 है .....

उत्तर- (1) ए (2) सरल (3) प्रभावित नहीं (4) माध्य (5) मोड (6) शून्य (7) आरोही या अवरोही (8) सात।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) अंकगणित माध्य केंद्रीय प्रवृत्ति का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला माप है।

(2) सरल अंकगणितीय माध्य श्रृंखला के सभी मदों को समान महत्व नहीं दे सकता है।

(3) एक श्रृंखला में तीन चतुर्थक होते हैं।

(4) चतुर्थक मूल में परिवर्तन और पैमाने में परिवर्तन से प्रभावित होते हैं।

(5) माध्यिका से मदों के विचलन का योग शून्य होता है।

(6) श्रृंखला की तुलना करने के लिए केवल एक औसत पर्याप्त नहीं है।

(7) अंकगणित माध्य एक स्थितीय मान है।

(8) मीडियन अत्यधिक प्रेक्षणों से अनावश्यक रूप से प्रभावित होता है।

उत्तर- (1) सत्य (2) असत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) असत्य (6) सत्य (7) असत्य (8) असत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
(1) मोड	- मध्यतम पद
(2) माध्यिका	- उच्चतम आवृत्ति
(3) माध्य	- समूह घटक
(4) केंद्रीय प्रवृत्ति	- सटीक
(5) रेंज	- सहसंबंध
(6) पर्सेंटाइल	- एक औसत श्रृंखला को 100 बराबर भागों में बांटता है।
(7) दो या दो से अधिक समूहों के बीच निश्चित संबंध है	- सबसे बड़े और सबसे छोटे के बीच का अंतर
(8) बचत का सीधा संबंध है	- आय

MP BOARD OFFICIAL

उत्तर- (1) उच्चतम आवृत्ति (2) मध्यतम पद (3) सटीक (4) समूह घटक (5) सबसे बड़े और सबसे छोटे के बीच का अंतर (6) एक औसत श्रृंखला को 100 बराबर भागों में वितरित करता है (7) सहसंबंध (8) आय।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

(1) भारत में कौनसा सूचकांक कीमतों में औसत परिवर्तन को मापने में मदद करता है।

(2) डेटा को चार बराबर भागों में विभाजित करता है।

(3) इस आरेख का उपयोग आलेखीय रूप से बहुलक का मान ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

(4) 1, 2, 3, 4, 4, 5 की विधा,

(5) हमेशा माध्य और बहुलक के बीच में होता है।

(6) गुणात्मक डेटा का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(7) अंकगणित माध्य द्वारा निरूपित किया जाता है।

(8) 25, 72, 28, 65, 29, 60, 30, 54, 32, 53, 33, 52, 35, 51, 42, 48, 45, 48, 46, 33 का माध्यक है

उत्तर- (1) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (2) चतुर्थक (3) हिस्टोग्राम (4) चार (5) माध्यिका (6) मोड (7) $\bar{x}$ (8) 45.5.

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. दो प्रकार के समांतर माध्य के नाम लिखिए।

उत्तर- सरल समान्तर माध्य- सरल समान्तर माध्य वह है जिसमें किसी श्रृंखला के सभी पदों को समान महत्व दिया जाता हैं।

2. भारित समान्तर माध्य- भारित समान्तर माध्य वह माध्य है, जिसमें किसी श्रृंखला के विभिन्न मदों को उनके तुलनात्मक महत्व के आधार पर भार दिया जाता हैं।

प्रश्न 2. मोड के मुख्य उपयोग क्या हैं?

उत्तर- मोड (बहुलक) एक ऐसा मान होता है जो अवलोकनों के समूह में सबसे ज्यादा बार दोहराई जाती है। इसे हमें सबसे ज्यादा आवृत्ति वाली संख्या कर सकते हैं। यह सांख्यिकी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपकरण है।

प्रश्न 3. श्रृंखला के मोडल मान की पहचान करने के लिए हमें निरीक्षण विधि का उपयोग कब करना चाहिए?

उत्तर- श्रृंखला के मोडल मान की पहचान करने के लिए हमें निरीक्षण विधि का उपयोग तब करना चाहिए जब अलग-अलग मान (वस्तुएँ) अलग-अलग आवृत्ति दर्शाते है।

प्रश्न 4. बहुलक और माध्यिका के बीच दो मुख्य अंतर क्या हैं?

उत्तर- बहुलक	माध्य
बहुलक वह मान होता है जो अवलोकनों के समूह में सबसे ज्यादा बार दोहराई जाती है। इसे सबसे ज्यादा आवृति वाली संख्या कहते हैं।	माध्य वह मान है जो सभी मूल्यों के योग को कुल प्रेक्षणों की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त होता है।

प्रश्न 5. केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप के रूप में चतुर्थक के दो दोष बताइए।

उत्तर- (1) मोड को परिभाषित नहीं किया जा सकता है जब डेटा न दोहराया जाए।

(2) बहुलक सभी मूल्यों पर आधारित नहीं है।

(3) जब डाटा छोटे मान से बना हो तो बहुलक अस्थायी होता है।

प्रश्न 6. उत्पत्ति में परिवर्तन और पैमाने में परिवर्तन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- छात्र स्वयं पूर्ण करें।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. निम्नलिखित आँकड़ों से अंकगणित माध्य परिकलित कीजिए।

निशान	छात्रों की संख्या
10-20	2
20-30	7
30-40	10
40-50	15
50-60	20
60-70	16
70-80	6

MP BOARD OFFICIAL

उत्तर-

X	मध्य-मूल्य	छात्रों की संख्या आवृत्ति f	विचलन (d = m-A) A = 45	आवृत्ति का गुणनफल
10-20	$\frac{10+20}{2}=15$	2	30	60
20-30	$\frac{20+30}{2}=25$	7	20	140
30-40	$\frac{30+40}{2}=35$	10	10	100
40-50	$\frac{40+50}{2}=45$	15	0	0
50-60	$\frac{50+2}{2}=55$	20	-10	- 200
60-70	$\frac{60+20}{2}=65$	16	-20	-320
70-80	$\frac{70+80}{2}=75$	6	-30	-180
		Σf = 75		**Σfm = - 400**

$$\bar{x} = A + \frac{\Sigma fdx}{N}$$

$$\bar{x} = 45 + \frac{-400}{76}$$

$$\bar{x} = 45 + (-5.26)$$

$$\bar{x} = 39.74$$

प्रश्न 2. निम्नलिखित डेटा से माध्यिका की गणना कीजिए-

वर्ग	अंतराल
0-10	**5**
10-20	**5**
20-30	**20**
30-40	**10**
40-50	**6**
50-60	**4**

उत्तर- सबसे पहले हम संचयी आवृत्तियों को साधारण आवृत्ति वितरण में परिवर्तित करेंगे एवं वर्गान्तर बनायेगे।

अंक	आवृत्ति (f)	संचयी आवृत्ति
0-10	50-45 = 5	5
10-20	45-40 = 5	10
20-30	40-20 = 20	30
30-40	20-10 = 10	40
40-50	10-4 = 6	46
50-60	4	50
	Σf = N = 50	**Σf = N = 50**

$$M = \text{Size of } \left(\frac{N}{2}\right)\text{th item} = \text{Size of } \left(\frac{50}{2}\right)\text{the item}$$

= Size of 25th item

जो शृंखला की 30 संचयी आवृत्ति में आती है।

MP BOARD OFFICIAL

इस आवृत्ति का वर्गान्तर 20 - 30 है।

$$M = L_1 \frac{L_2 - L_1}{f}(m - c)$$

$$M = 20 + \frac{30-20}{20}(25-10)$$

$$M = 20 + \frac{10}{20}(1-5)$$

$$M = 20 + \frac{150}{20}$$

$$M = 20 + 7.5$$

$$M = 27.5$$

प्रश्न 3. डेटा के बाद मोड फॉर्म की गणना करें-

निशान	छात्रों की संख्या
10 से कम	5
20 से कम	8
30 से कम	15
40 से कम	16
50 से कम	6

उत्तर-

मध्यमान x	f	बहुलक से विचलन $\|d_z\| = \|x - z\|$	$f\|x - z\| = f\|dz\|$
5	5	25.9	129.5
15	8	15.9	127.2
25	$15\ f_0$	5.9	88.5
35	$16\ f_1$	4.1	65.6
45	$6\ f_2$	14.1	84.6
योग	50		$\Sigma f\|dz\| = 495.4$

$$\text{Mode} = z = L_1 + \frac{F_1 - F_0}{2F_1 - F_0 - F_2} \times L_2 - L_1$$

$$z = 30 + \frac{16-15}{2\times16-15-6} \times 40 - 30$$

$$z = 30 + \frac{1}{32-21} \times 10$$

$$z = 30 + \frac{10}{11}$$

$$z = 30 + 0.9$$

$$z = 30.9$$

प्रश्न 4. अच्छे औसत की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(1) माध्य स्पष्ट तथा स्थिर होना चाहिए।

(2) माध्य समग्र का प्रतिनिधि होना चाहिए।

(3) माध्य निकालने तथा समझने में सरल होना चाहिए।

प्रश्न 5. माध्यिका के चार गुण लिखिए।

उत्तर- माध्यिका के चार गुण निम्नलिखित हैं-

(1) इसकी गणना सरल है। (2) यह सुपरिभाषित है।

(3) बड़े व छोटे पदों से यह प्रभावित नहीं होता।

प्रश्न 6. विधा के दोष बताइए।

उत्तर- विधा (बहुलक) के दोष निम्न है-

(1) बहुलक में चरम मानों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है।

(2) बहुलक ज्ञात करना अस्पष्ट तथा अनिश्चित रहता है।

(3) बहुलक में पदों का क्रमानुसार रखना आवश्यक है, इसके बिना बहुलक ज्ञात नहीं किया जा सकता है। □

MP BOARD OFFICIAL

इकाई-4 फैलाव का माप

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. मानक विचलन का सही सूत्र है-

(अ) $\sigma = \frac{\Sigma(x - \bar{x})}{N}$ (ब) $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma(x-x)^2}{N}}$

(स) $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma(x-x)}{N}}$ (द) $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma x}{N}}$

2. भिन्नता का गुणांक किसका प्रतिशत व्यंजक है-

(अ) माध्य विचलन (ब) चतुर्थक विचलन

(स) मानक विचलन (द) इसमें से कोई नहीं

3. मानक विचलन की गणना के लिए कितनी विधियाँ हैं?

(अ) 1 (ब) 2

(स) 3 (द) 4

4. मानक विचलन की गणना में विचलन केवल ..... से ही लिया जाता है। श्रृंखला का मूल्य।

(अ) माध्य (ब) मोड

(स) मीडियन (द) चतुर्थक

5. समूहीकृत आँकड़ों के लिए मानक विचलन की गणना के लिए कितनी विधियाँ हैं?

(अ) 1 (ब) 2

(स) 3 (द) 4

उत्तर- 1.(ब) 2.(स) 3.(द) 4.(अ) 5.(स)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) ..... की गणना बिना विचलन के सीधे मूल्यों से भी की जा सकती है।

(2) मानक विचलन माध्य से वर्ग विचलन के ..... का धनात्मक वर्गमूल है।

(3) ..... व्यक्तिगत मूल्यों के मानक विचलन की गणना के लिए वैकल्पिक विधियाँ उपलब्ध हैं।

(4) प्रसरण का धनात्मक वर्गमूल ..... है।

(5) यदि विचलनों के मान एक उभयनिष्ठ गुणनखंड से विभाज्य हैं, तो परिकलन को ..... व्युत्पति विधि द्वारा सरल बनाया जा सकता है।

उत्तर- (1) एस डी (2) माध्य (3) चार (4) एस डी (5) चरण।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) मानक विचलन, फैलाव का सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला माप, मूल्यों पर आधारित है।

(2) भिन्नता के गुणांक का सूत्र माध्य/SD × 100 है।

(3) वितरण में समानता को समाप्त करने के लिए लोरेंज वक्र नामक एक ग्राफिकल मेजर उपलब्ध है।

(4) मानक विचलन पैमाने से स्वतंत्र नहीं है।

(5) विचरण का ऋणात्मक वर्गमूल मानक विचलन है।

उत्तर- (1) सत्य (2) असत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) असत्य।

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
(1) मानक विचलन	(अ) $\frac{\sigma}{X} \times 100$
(2) मानक विचलन का गुणांक	(ब) $\sqrt{\frac{\Sigma dx^2}{N} - \left(\frac{\Sigma dx}{N}\right)^2}$
(3) माध्य	(स) $\frac{\Sigma X}{N}$
(4) लोरेंज वक्र	(द) कोई मनमाना मूल्य
(5) कल्पित माध्य-	(इ) एक ग्राफिकल प्रतिनिधत्व

उत्तर- 1.(ब) 2.(अ) 3.(स) 4.(इ) 5.(द)

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1. परिक्षेपण क्या है?

उत्तर- प्रकाश के प्रिज्म से होकर गुजरने पर विभिन्न रंगों के प्रकाश में बैट जाने को परिक्षेपण कहते है।

प्रश्न 2. मानक विचलन की गणना के लिए किन विधियों का उपयोग किया जाता है?

उत्तर- मानक विचलन की गणना वर्गीकृत आँकड़ों के लिए किया जाता है।

(1) मानक विचलन समांतर माध्य से ज्ञात किया जाता है।

(2) मानक विचलन की गणना में बीजगणितीय चिन्हों का ध्यान रखा जाता है।

प्रश्न 3. मानक विचलन को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- प्रायिकता सिद्धांत और सांख्यिकी में, किसी सांख्यिकीय जनसंख्या, डाटा से e या प्रायिकता वितरण के प्रसारण के वर्गमूल को मानक विचलन कहते है।

प्रश्न 4. विचरण के गुणांक की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- यह प्रकीर्णन का सापेक्षित माप है जो कि माप इकाई से स्वतंत्र होता है इसके विपरित मानक विचलन, प्रकीर्णन का निरपेक्ष माप है।

प्रश्न 5. 10 मानों का योग 100 है और उनके वर्गों का योग 1090 है। खोजें भिन्नता के गुणांक से बाहर।

उत्तर- प्रामप विचलन गुणांक = $\frac{\text{प्रमाप विचलन}}{\text{समांतर माध्य}}$

प्रश्न 6. मानक विचलन की गणना की प्रत्यक्ष विधि की व्याख्या करें।

G $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma fx^2}{N}}$

MP BOARD OFFICIAL

विश्लेषणात्मक प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. निम्नलिखित आँकड़ों से मानक विचलन की गणना कीजिए-

आकार	1	2	3	4	5	6	7	8
आवृत्ति	5	10	15	20	15	10	10	15

उत्तर-

आकार (x)	आवृत्ति (f)	कल्पित माध्य से विचलन (d = X - A) (A = 5)	विचलन का वर्ग (x^2)	विचलन तथा आवृत्ति का गुणनफल (fd)	विचलन वर्ग तथा आवृत्ति का गुणनफल (fd^2)
1	5	-4	16	-20	80
2	10	-3	9	-30	90
3	15	-2	4	-30	60
4	20	-1	1	-20	20
5	15	0	0	0	0
6	10	+1	1	+10	10
7	10	+2	4	+20	40
8	15	+3	9	+45	135
	$\Sigma f = 100$			$\Sigma fd = -25$	$\Sigma fd^2 = 435$

MP BOARD OFFICIAL

प्रमाप विचलन या $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma fd^2}{N} - \left(\frac{\Sigma fd}{N}\right)^2} = \sqrt{\frac{435}{100} - \left(\frac{-25}{100}\right)^2}$

प्रमाप $\sigma = \sqrt{\frac{435}{100} - \left(\frac{-1}{4}\right)^2} = \sqrt{\frac{435}{100} - \frac{1}{16}} = \sqrt{4.2875} = 2.07$

प्रमाप विचलन $(\sigma) = 2.07$

प्रश्न 2. बहुलक से माध्य विचलन तथा इसका गुणांक ज्ञात कीजिए-

प्राप्तांक	0-10	10-20	20-30	30-40	40-50
छात्र संख्या	5	8	15	16	6

हल (Solution):

मध्यमान X	f	बहुलक से विचलन $\lvert dz \rvert = \lvert X - Z \rvert$	$f\lvert X - Z \rvert = f\lvert dz \rvert$
5	5	25.9	129.5
15	8	15.9	127.2

25	15 f_0	5.9	88.5
35	16 f_1	4.1	65.6
45	6 f_2	14.1	84.6
योग	50		$\Sigma f\|dz\| = 495.4$

$$Mode = Z \quad {}_1 + \frac{F_1 - F_0}{2F_1 - F_0 - F_2} \times L_2 - L_1$$

$$Z = 30 + \frac{16-15}{2\times16-15-6} \times 40 - 30$$

$$Z = 30 + \frac{1}{32-21} \times 10$$

$$Z = 30 + \frac{10}{11}$$

$$Z = 30 + 0.9$$

$$Z = 30.9$$

बहुलक से माध्य विचलन $MD\ of\ Z = \frac{\Sigma f|d_z|}{N}$

$$M.D.\ of\ Z = \frac{495.4}{9.908}$$

$$M.D.\ of\ Z = 9.908$$

बहुलक से माध्य विचलन गुणांक $= \frac{MD\ of\ z}{Z}$

$$= \frac{9.908}{30.9} = 0.3206$$

-उत्तर

प्रश्न 3. 10 छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के मानक विचलन का पता लगाएँ-

वर्ग	0-4	4-8	8-12	12-16	16-20
आवृत्ति	2	3	10	3	2

MP BOARD OFFICIAL

उत्तर-

वर्ग	f	मध्य-बिन्दु, x	fx	$d = x - \bar{x}$	d^2	fx^2
0–4	2	2	4	−8	64	128
4–8	3	6	18	−4	16	48
8–12	10	10	100	0	0	0
12–16	3	14	42	4	16	48
16–20	2	18	36	8	64	128
योग	A = 20		Σfx = 200			$\Sigma fx^2 = 352$

$$\bar{x} = \frac{\Sigma fx}{\Sigma f} = \frac{200}{20} = 10 \quad \sigma = \sqrt{\frac{\Sigma fx^2}{N}} = \sqrt{\frac{352}{20}} = \sqrt{17.6} = 4.19$$

प्रश्न 4. लोरेंज वक्र को किसी उदाहरण की सहायता से समझाइए।

उत्तर- लोरेंज वक्र समान वितरण रेखा से वास्तविक वितरण के विचलन का बिंदू रेखीय माप है। लोरेंज वक्र समान वितरण रेखा को जितने पास होगा, श्रेणी में अपकिरण की मात्रा उतनी ही कम होगी अर्थात् वितरण में उतनी ही कम असमानताएँ पाई जाएंगी। इसके विपरित लोरेंज वक्र समान वितरण रेखा से जितना दूर होगा, श्रेणी में अपकिरण की मात्रा उतनी ही अधिक होगी।

यदि लोरेंज वक्र समान वितरण रेखा पर पड़ता है तो श्रेणी में अपकिरण बिल्कुल नहीं माना जाएगा। दो लोरेंज वक्रों में से जो वक्र समान वितरण रेखा को पास होगा उस श्रेणी में दूसरे की अपेक्षा कम अपकिरण माना जाएगा।

प्रश्न 5. निम्न आंकड़ों की सहायता से कार्ल पियर्सन सह-सम्बन्ध गुणांक ज्ञात कीजिए-

X	11	10	9	8	7	6	5
Y	20	18	12	8	10	5	4

हल (Soluiton):

x	dx (8)	d^2_x	y	dy (11)	d^2_y	$d_x d_y$
11	3	9	20	9	81	27
10	2	4	18	7	49	14
9	1	1	12	1	1	1
8	0	0	8	-3	9	0
7	-1	1	10	-1	1	1
6	-2	4	5	-6	36	12
5	-3	9	4	-7	49	21
$\Sigma X = 56$	0	$\Sigma d^2x = 28$	$\Sigma y = 77$	0	$\Sigma d^2y = 226$	$\Sigma d_x d_y = 76$

$$\bar{X} = \frac{\Sigma X}{N} = \frac{56}{7} = 8$$

$$\bar{Y} = \frac{\Sigma X}{N} = \frac{77}{7} = 11$$

क्योंकि $\bar{X}$ तथा $\bar{Y}$ पूर्णांक हैं, अत: वास्तविक माध्य से विचलन (प्रत्यक्ष विधि) ही उचित है

कार्ल पियर्सन सहसम्बन्ध गुणांक,

$$r = \frac{\Sigma d_x d_y}{\sqrt{\Sigma d_x^2 + \Sigma d_y^2}}$$

$$= \frac{76}{\sqrt{28 \times 226}} = \frac{76}{\sqrt{6328}} = \frac{76}{79.55}$$

$$= 0.96$$ □

इकाई-5 सहसंबंध सूचकांक

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. सह संबंध गुणांक सदैव स्थित होता है-

(अ) 0 और +1. के बीच (ब) -1 और 0.के बीच

(स) -1 और +1. के बीच (द) इनमें से कोई नहीं

2. जब दो चरों में एक ही अनुपात में स्थायी रूप से परिवर्तन होता है, तो इसे कहते हैं-

(अ) भूमध्य रेखीय सहसंबंध (ब) पुरातात्विक सहसंबंध

(स) आर्थिक सहसंबंध (द) इनमें से कोई नहीं

3. आधार वर्ष होता है-

(अ) तुलना या संदर्भ वर्ष (ब) चालू वर्ष

(स) किसी भी वर्ष (द) वर्तमान से पहले का वर्ष

4. निम्नलिखित में से कौनसा माप किसी भी प्रकार के सहसंबंध को माप सकता है-

(अ) कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक

(ब) स्पीयरमैन रैंक सहसंबंध

(स) विकिरणित आरेख

(द) इनमें से कोई नहीं

5. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के उपाय-

(अ) आय में औसत परिवर्तन के लिए

(ब) माल की मांग में आवश्यक परिवर्तन

(स) माल की आपूर्ति में आवश्यक परिवर्तन

(द) खुदरा मूल्य में औसत परिवर्तन के लिए

6. निम्न स्तर का संबंध पाया जाता है-

(अ) +0.75 से अधिक +1. से कम

(ब) + 0.25 से अधिक +0.75 से कम

(स) + 0.00 से अधिक +0.25. से कम

(द) इनमें से कोई नहीं

MP BOARD OFFICIAL

7. यदि r xy = 0, तो चर x और y के बीच संबंध-

(अ) रैखिक कनेक्शन होगा (ब) रैखिक कनेक्शन नहीं होगा

(स) मुक्त हो जाएगा (द) मुक्त नहीं होगा

8. If r xy = धनात्मक तो x और y के बीच संबंध कैसा होगा-

(अ) एक्स बढ़ता है जब वाई बढ़ता है

(ब) जब y घटता है तो x बढ़ता है

(स) जब y बढ़ता है तो x नहीं बदलता है

(द) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- 1.(स) 2.(अ) 3.(अ) 4.(अ) 5.(द) 6.(स) 7.(ब) 8.(अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) कीमत और मांग के बीच ..... कनेक्शन होता है।

(2) ..... को आर्थिक बैरोमीटर के रूप में जाना जाता है।

(3) आधार वर्ष की अनुक्रमणिका संख्या हमेशा .....

(4) जब दो चरों की एक ही दिशा में परिवर्तन होता है, तो ऐसे के साथ सह-संबंध सह-संबंध कहते हैं।

(5) जब सह संबंध गुणांक +0.25 और +0.75 के बीच होता है तो यह ..... कहते हैं।

(6) जब तीन या तीन से अधिक चारों संबंधों का एक साथ अध्ययन किया जाता है तो इसे ..... कहा जाता है।

(7) आधार वर्ष को ..... भी कहा जाता है।

(8) संकेत शब्द PO1 में 1 ..... प्रकट होता है।

उत्तर- (1) नकारात्मक (2) सूचकांक (3) 100 (4) सकारात्मक (5) सहसंबंध का मध्यम परिमाण (6) बहुमुखी सहसंबंध (7) संदर्भ वर्ष (8) चालू वर्ष।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) सहसंबंध गुणांक हमेशा सकारात्मक होता है।

(2) सहसंबंध गुणांक का मान -1 से +1 के बीच होता है।

(3) सूचकांक मापे गए समय के दौरान चर में परिवर्तन।

(4) दो परिवर्ती मानों के पारस्परिक संबंध को सरल सह-संबंध कहते हैं।

(5) एक बढ़ता मूल्य सूचकांक बढ़ती आर्थिक गतिविधियों का संकेतक है।

(6) भारित सूचकांक में विभिन्न मदों को उनके मुआवजे के महत्व के अनुसार भार दिया जाता है।

(7) मुद्रास्फीति को थोक मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के रूप में मापा जाता है।

(8) दो या दो से अधिक समूहों या जंजीरों के बीच निश्चित संबंध को सहसंबंध कहा जाता है।

उत्तर- (1) असत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) असत्य (6) सत्य (7) सत्य (8) सत्य।

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. पूर्ण सहसंबंध के परिमाण की व्याख्या करें।
2. दो प्रकार के मूल्य सूचकांकों के नाम लिखिए।
3. कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक का सूत्र लिखिए।
4. सहसंबंध तकनीक का विकास किसने किया?
5. रैखिक सहसंबंध कब होता है?
6. एफ. सरल सहसंबंध क्या है?
7. कौन से सूचकांक मापते हैं?
8. सूचकांकों की एक मुख्य श्रेणी की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- 1. r = 1 अथवा r = - 1 तो इसका अर्थ है कि सहसंबंध पूर्ण है। 2. सामूहिक मूल्य सूचकांक या निर्देशांक। 3. -1 से + 1 4. प्रोफेसर गैल्टन और काले पियर्सन। 5. दो चर मानों में परिवर्तन का अनुपात स्थिर होना। 6. दो चर मानों का पारस्परिक संबंध। 7. संबंधित चरों के समूह में होने वाले परिवर्तन। 8. पूर्ण शुद्धता का अभाव।

विश्लेषणात्मक प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सूचकांक संख्या के किन्हीं चार महत्वों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- निर्देशांक के उपयोग, महत्व, लाभ या आवश्यकता का अध्ययन निम्न बिन्दुओं के आधार पर समझा जा सकता है-

1. जटिल तथ्यों की सरलता- ऐसे तथ्य जिनके परिवर्तन का मापन किसी अन्य साधन से संभव नहीं होता है। उन्हें निर्देशांक की सहायता से सरलता से मापा जा सकता है।

2. जीवन स्तर में परिवर्तन का ज्ञान- निर्देशांक की सहायता से सामज में जीवन स्तर के परिवर्तन का ज्ञान प्राप्त होता है। जीवन स्तर नागरिकों की वास्तविक आय पर निर्भर करता है और निर्देशांक वास्तविक आय में परिवर्तन के बारे में जानकारी देते हैं।

3. मुद्रा की क्रय शक्ति में परिवर्तन का ज्ञान- निर्देशांकों की सहायता से समय-समय पर मुद्रा की क्रय शक्ति में हुए परिवर्तनों की गणना की जा सकती है। मुद्रा की क्रय शक्ति से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

4. कर-नीति में सहायक- सरकार की कर नीति के निर्धारण

MP BOARD OFFICIAL

में निर्देशांक सहयोगी बनते हैं। मूल्य वृद्धि और कर का निर्धारण परस्पर संबंधित क्रियाएँ हैं।

5. राष्ट्रीय आय के परिवर्तन का अनुमान- राष्ट्रीय आय में होने वाले परिवर्तनों का अनुमान निर्देशांक की सहायता से लगाया जाता है। राष्ट्रीय आय के आधार पर ही योजनाओं का निर्माण होता है।

6. तुलनात्मक विश्लेषण- निर्देशांक की सहायता से तुलनात्मक विश्लेषण संभव होता है। क्योंकि निर्देशांक सापेक्षिक रूप में परिवर्तन के प्रकट करते हैं।

प्रश्न 2. थोक मूल्य सूचकांक की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- थोक मूल्य सूचकांक- यह एक मूल्य सूचकांक है जो कुछ चुनी हुई वस्तुओं के सामूहिक औसत मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। भारत और फिलिपिन्स आदि देश थोक मूल्य सूचकांक में परिवर्तन को मँहगाई में परिवर्तन के सूचक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। किंतु भारत और संयुक्त के रूप में इस्तेमाल करते हैं। किंतु भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अब उत्पादक मूल्य सूचकांक का प्रयोग करने लगे हैं।

प्रश्न 3. अनुक्रमणिका संख्या की कोई चार सीमाएँ लिखिए।

उत्तर- निर्देशांकों की प्रमुख सीमाएँ निम्नलिखित हैं-

1. निर्देशांक संकेतक मात्र- निर्देशांक से वास्तविक स्थिति का ज्ञान संभव नहीं होता है वे परिवर्तनों के संकेतक मात्र होते हैं।

2. सीमित उपयोग- प्रत्येक निर्देशांक एक निश्चित उद्देश्य हेतु बनाये जाते हैं। उन्हें किसी दूसरे उद्देश्य के लिए प्रयोग में नहीं लाया जा सकता है।

3. पूर्ण शुद्धता की कमी- निर्देशांकों का निर्माण समग्र की चयनित इकाइयों के द्वारा किया जाता है। ये इकाइयाँ संपूर्ण समग्र का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। अत: इन इकाइयों के द्वारा निर्मित निर्देशांक पूर्ण रूप से शुद्ध एवं विश्वसनीय नहीं होते हैं।

4. सामान्य रूप से ही सत्य- निर्देशांक सामान्य रूप से ही सत्य होते हैं, क्योंकि ये औसत प्रवृत्ति को ही व्यक्त करते हैं, न की व्यक्तिगत इकाइयों को।

5. गुणात्मक पहलू की उपेक्षा- सूचकांकों के निर्माण में वस्तुओं के गुणात्मक पहलू की उपेक्षा की जाती है।

प्रश्न 4. सहसम्बन्ध के प्रकार को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- सम्बन्धित चरों के मध्य परिवर्तन की दिशा, अनुपात तथा समंकमालाओं की संख्या के आधार पर सह-सम्बन्ध निम्न प्रकार का हो सकता है-

1. धनात्मक (+) तथा ऋणात्मक (-) सह-सम्बन्ध- जब दो श्रेणियों के मूल्यों में परिवर्तन एक ही दिशा में होता है, तो उसे धनात्मक सह-सम्बन्ध कहते हैं। मूल्य एवं पूर्ति में इस प्रकार का संबंध पाया जाता है। जैसे-मूल्य बढ़ने पर पूर्ति का बढ़ता या पिता की आयु बढ़ने पर पुत्र की आयु भी बढ़ना इत्यादि।

इसी प्रकार जब दो श्रेणियों के मूल्यों में परिवर्तन विपरीत दिशाओं में होता है, तो उसे ऋणात्मक सह-सम्बन्ध कहते हैं। जैसे-मूल्य बढ़ने पर माँग कम होना तथा मूल्य कम होने पर माँग बढ़ना। स्पष्ट है, मूल्य तथा माँग में ऋणात्मक सह-सम्बन्ध है।

2. रेखीय तथा अरेखीय (वक्ररेखीय) सह-सम्बन्ध- जब हो चर-मूल्यों के मध्य परिवर्तन का अनुपात समान होता है तो उनमें रेखीय सह-सम्बन्ध होगा। इसे यदि एक बिन्दुरेखीय पत्र (Graph Paper) पर अंकित किया जाये तो एक सीधी रेखा बनेगी। इस प्रकार का सह-सम्बन्ध साधारणतया भौतिक तथा गणितीय विज्ञानों में पाया जाता है। जैसे-किसी कारखाने में कच्चे माल की मात्रा को दुगुना करने पर यदि उत्पादन भी दुगुना हो जाय तो ऐसा सम्बन्ध रेखीय सह-सम्बन्ध कहलायेगा। इसके विपरीत, जब दो चर मूल्यों में परिवर्तन का अनुपात स्थायी रूप से समान नहीं रहता, तब यह सह-सम्बन्ध अरेखीय या व्रक रेखीय कहलायेगा। यदि इसे एक बिन्दुरेखीय पत्र (Graph-Paper) पर प्रदर्शित किया जाये तो वक्र रेखा बनेंगी। सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्रों से सम्बन्धित समंकों में प्राय: वक्र रेखीय सह-सम्बन्ध देखने को मिलता है। जैसे-रासायनिक खाद में वृद्धि करने पर उसी अनुपात में फसल में वृद्धि नहीं होती है। तब इसे अरेखीय सह-सम्बन्ध कहेंगे।

3. सरल, आंशिक बहुगुणी सह-सम्बन्ध- दो चर- मूल्यों के सह-सम्बन्ध को सरल सह-सम्बन्ध कहते हैं। इनमें से एक श्रेणी जिसे आधार श्रेणी कहते हैं चर मूल्य स्वतंत्र होते हैं तथा दूसरी श्रेणी जिसे सम्बद्ध श्रेणी कहते हैं, के चर मूल्य आश्रित होते हैं।

आंशिक सह-सम्बन्ध तब होता है जब दो अधिक चल-मूल्यों का अध्ययन तो किया जाता है परन्तु अन्य चल-मूल्यों के

MP BOARD OFFICIAL

प्रभाव को स्थिर रखकर केवल दो चल मूल्यों का सह-सम्बन्ध निकाला जाता है।

जब स्वतंत्र चल-मूल्य दो या दो से अधिक होते हैं और आश्रित चल-मूल्य केवल एक ही होता है, तब उसे बहुगुणी सह-सम्बन्ध कहते हैं।

प्रश्न 5. सहसम्बन्ध ज्ञात करने की विकिरणित आरेख विधि की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- रेखीय तथा अरेखीय (वक्ररेखीय) सह-सम्बन्ध- जब दो चर-मूल्यों के मध्य परिवर्तन का अनुपात समान होता है तो उनमें रेखीय सह-सम्बन्ध होगा। इसे यदि एक बिन्दुरेखीय पत्र (Graph Paper) पर अंकित किया जाये तो एक सीधी रेखा बनेगी। इस प्रकार का सह-सम्बन्ध साधारणतया भौतिक तथा गणितीय विज्ञानों में पाया जाता । जैसे-किसी कारखाने में कच्चे माल की मात्रा को दुगुना करने पर यदि उत्पादन भी दुगुना हो जाय तो ऐसा सम्बन्ध रेखीय सह-सम्बन्ध कहलायेगा। इसके विपरीत, जब दो चर मूल्यों में परिवर्तन का अनुपात स्थायी रूप से समान नहीं रहता, तब यह सह-सम्बन्ध अरेखीय या वक्र रेखीय कहलायेगा। यदि इसे एक बिन्दुरेखीय पत्र (Graph-Paper) पर प्रदर्शित किया जाये तो वक्र रेखा बनेंगी। सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्रों से सम्बन्धित समंकों में प्राय: वक्र रेखीय सह-सम्बन्ध देखने को मिलता है। जैसे- रासायनिक खाद में वृद्धि करने पर उसी अनुपात में फसल में वृद्धि नहीं होती है। तब इसे अरेखीय-सम्बन्ध कहेंगे।

प्रश्न 6. x और y के बीच सहसंबंध गुणांक की गणना कीजिए।

x	-3	-2	-1	1	2	3
y	9	4	1	1	4	9

उत्तर-

x	x^2	y	y^2	xy
-3	9	9	81	-27
-2	4	4	16	-8
-1	1	1	1	-1
1	1	1	1	1
2	4	4	16	8
3	9	9	81	27
कुल $\Sigma X=-2$	$\Sigma X^2=28$	$\Sigma Y=28$	$\Sigma Y^2=106$	$\Sigma XY=0$

$$r=\frac{n(\Sigma xy)-(\Sigma x)(\Sigma y)}{\sqrt{n\Sigma x^2-(\Sigma x)^2[n\Sigma y^2-(\Sigma y)^2]}}$$

$$r=\frac{6(0)-(-2)\times 928}{\sqrt{(28)-(-2)^2(6(196)-(28)^2}}$$

$$r=\frac{-56}{\sqrt{52\times 392}}$$

$$r=\frac{-56}{\sqrt{20384}}=\frac{-56}{142.77}=-0.3922$$ □

भाग-2

इकाई-6 विकास नीतियाँ और अनुभव (1947-1990)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था?

(अ) विकसित (ब) अविकसित

(स) स्थिर (द) 'ब' या 'स' दोनों

2. अंग्रेजों ने जब भारत छोड़ा था, तब था?

(अ) एक समृद्ध अर्थव्यवस्था

(ब) एक मजबूत औद्योगिक आधार होना

(स) एक मजबूत बुनियादी ढांचा होना

(द) भारी गरीबी से पीड़ित

3. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने औपनिवेशिक काल के दौरान प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था?

(अ) दादा भाई नौरोजिक (ब) विलियन डिग बाय

(स) फाइंडले शिरासो (द) ये सभी

4. ब्रिटिश भारत के दौरान पहली बार जनगणना के आंकड़े कब एकत्र किए गए थे?

(अ) 1981 (ब) 1882

(स) 1881 (द) 1982

MP BOARD OFFICIAL

5. भारत में योजना आयोग की स्थापना किस वर्ष की गई थी?

(अ) 1947 (ब) 1948

(स) 1949 (द) 1950

6. समाजवादी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं के उत्पादन और वितरण के संबंध में निर्णय कौन लेता है?

(अ) मांग और आपूर्ति की बाजार ताकतें

(ब) सरकार

(स) अ और ब दोनों (द) भगवान

7. आईपीआर 1956 के तहत सामरिक उद्योग ..... के नियंत्रण में थे?

(अ) सार्वजनिक क्षेत्र (ब) निजी क्षेत्र

(स) संयुक्त क्षेत्र (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. भारत में किस प्रकार की आर्थिक व्यवस्था का पालन किया जा रहा है?

(अ) पूँजीवाद (ब) समाजवाद

(स) मिश्रित (द) राजशाही

उत्तर- 1. (द), 2. (द), 3. (द), 4. (द), 5. (द), 6. (द), 7. (द), 8. (द)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) टिस्को को ..... में शामिल किया गया था

(2) स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारत तैयार माल का शुद्ध ..... था।

(3) भारत के जूट उद्योग को विभाजन के बाद ..... की झील के कारण भारी नुकसान हुआ।

(4) ..... औपनिवेशिक शासन के दौरान अधिकांश लोगों के लिए आजीविका का मुख्य स्रोत था।

(5) स्वेज नहर के खुलने से ..... और ब्रिटिशों के बीच चलने वाले जहाजों के लिए एक सीधा मार्ग बन गया।

(6) परिप्रेक्ष्य योजना एक ..... अस्थायी योजना है।

(7) ..... में उच्च उपज देने वाली किस्म का बीज कार्यक्रम पहली बार शुरू किया गया था।

(8) आवक दिखने वाली व्यापार रणनीति ..... पर निर्भर करती है।

उत्तर- (1) 26 अगस्त 1907 (2) आयातक (3) कच्चा माल (4) कृषि (5) भारत (6) लंबी (7) 1966 (8) आयातक प्रतिस्थापन।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) जनसंख्या में वृद्धि किसी अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास का सूचक है।

(2) हस्तशिल्प का क्षय ब्रिटिश टैरिफ नीति के कारण हुआ।

(3) तृतीयक सेवा क्षेत्र का दूसरा नाम है।

(4) स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर समाज में लैंगिक पूर्वाग्रह साक्षरता दर द्वारा इंगित किया गया था।

(5) तकनीकी सुधारों के कारण कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ी है।

(6) बारहवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2012-19 थी।

(7) मिश्रित अर्थव्यवस्था भारत में नियोजन की रूपरेखा रही है।

(8) भारत में योजना की शुरुआत सार्वजनिक क्षेत्र पर भारी निर्भरता के साथ हुई।

उत्तर- (1) असत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) सत्य (6) असत्य (7) सत्य (8) सत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
1. प्राथमिक क्षेत्र	- 1921
2. निर्माण	- कृषि
3. महान का वर्ष डिवाइड	- सेकेंडरी सेक्टर
4. प्रधानमंत्री	- बीज देते हैं उत्पादन का बड़ा अनुपात
5. कोटा	- योजना आयोग के अध्यक्ष आयोग
6. भूमि सुधार	- माल की मात्रा जिसे आयात किया जा सकता है
7. HYV बीज	- मौद्रिक सहायता- GOVT द्वारा दिया गया। उत्पादन गतिविधियों के लिए
8. सब्सिडी	- क्षेत्र में सुधार कृषि की वृद्धि करने के लिए इसकी उत्पादकता

उत्तर- (1) कृषि (2) द्वितीयक क्षेत्र (3) महान विभाजन का वर्ष-1921 (4) योजना आयोग के अध्यक्ष (5) आयात किये जा सकने वाले समान की मात्रा (6) कृषि के क्षेत्र में सुधार

MP BOARD OFFICIAL

के लिए इसकी वृद्धि उत्पादकता (7) बीज उत्पादन का बड़ा अनुपात देते हैं (8) सरकार द्वारा दी जाने वाली मौद्रिक सहायत उत्पादन गतिविधियों के लिए।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. ब्रिटिश शासन के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर क्या थी?
2. लोहा और इस्पात कंपनी की स्थापना कहाँ की गई थी?
3. बंगाल में अकाल कब पड़ा था?
4. किस प्रकार की खेती परिवार की बुनियादी जरूरतों पर केंद्रित होती है?
5. पंचवर्षीय योजना का विचार किस देश से लिया गया था?
6. भारतीय नियोजन का वास्तुकार किसे माना जाता है?
7. लघु उद्योगों के लिए निवेश सीमा क्या है?
8. किस वर्ष योजना आयोग को समाप्त कर दिया गया था?

उत्तर- 1. 2 प्रतिशत। 2. जमशेदपुर। 3. 1943. 4. निर्वाह खेती। 5. सोवियत संघ। 6. पीसी महल नोमिस। 7. 10 करोड़ रुपये से कम। 8. 2017.

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. एक योजना परिभाषित कीजिए।

उत्तर- आर्थिक नियोजन देश की आर्थिक उन्नति के लिए पूर्व से सोची एवं निश्चित की गई विधि हैं। इसमें एक निश्चित अवधि में देश के साधनों एवं शक्तियों को इस प्रकार से उपयोग में लाया जाता हैं कि पूर्व निर्धारित उद्देश्य पूरे किये जा सकें। आर्थिक नियोजन में आर्थिक गतिविधियों के संचालन, नियमन एवं नियंत्रण के लिये विभिन्न योजनाएँ बनाई जाती हैं।

प्रश्न 2. भारत ने योजना बनाने का विकल्प क्यों चुना?

उत्तर- नियोजन उद्देश्य से अभिप्राय बीस वर्षों की अवधि में प्राप्त होने वाले दीर्घकालीन उद्देश्यों से हैं, दीर्घकालीन उद्देश्य नियोजन के अंतिम परिणाम होते हैं।

योजना उद्देश्य से अभिप्राय पाँच वर्ष की अवधि में पूरे किये जाने वाले आपातकालीन उद्देश्यों से हैं। आपातकालीन उद्देश्यों के माध्यम से दीर्घकालीन उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सकती हैं।

प्रश्न 3. योजनाओं के लक्ष्य क्यों होने चाहिए?

उत्तर- कोई भी योजना बिना विशिष्ट और सामान्य लक्ष्यों के बनाना पूर्णत: अर्थहीन है। हर योजना में विशिष्टता के साथ कुछ लक्ष्य होना आवश्यक है। निश्चित रूप से योजनाओं के लक्ष्य होना जरूरी है जिन्हें सामान्य और विशिष्ट लक्ष्यों में वर्गीकृत किया जा सके।

प्रश्न 4. उच्च उपज देने वाली किस्म (HYV) के बीच क्या हैं?

उत्तर- वर्ष 1960 के मध्य में स्थिति और भी दयनीय हो गई थी जब पूरे देश में अकाल की स्थिति बनने लगी। उन परिस्थितियों में भारत सरकार ने विदेशों से हाइब्रिड प्रजाति के बीज मंगाए। अपनी उच्च उत्पादकता के कारण इन बीजों को उच्च उत्पादकता किरणें (High Yielding Varieties-HYV) कहा जाता था।

प्रश्न 5. विपणन योग्य अधिशेष क्या है?

उत्तर- विपणन योग्य अधिशेष एक फसल का हिस्सा है जिसे किसान लाभ कमाने के लिए बाजार में बेंच सकता है। इस लाभ के साथ कोई भी अधिक भूमि या बेहतर कृषि उपकरण खरीदकर खेती के कार्यों में लगाम लगा सकता है। व्यक्ति केवल इस लाभ को बचा सकता है या व्यक्तिगत वस्तुओं की खरीद के लिए इसका उपयोग कर सकता है।

प्रश्न 6. हरित क्रांति क्या है?

उत्तर- भारत की नई कृषि नीति सन 1967-68 में लागू की गई। जिसमें अधिक उपज देने वाले बीजों को बोया गया तथा कृषि की नई तकनीकों का प्रयोग किया गया, जिससे फसल उत्पादन में तीव्र वृद्धि हुई, इसे ही हरित क्रांति कहा जाता है।

प्रश्न 7. भारत का पहला आधिकारिक जनगणना अभियान कब शुरू किया गया था?

उत्तर- भारत का प्रथम अधिकारिक जनगणना अभियान सन 1881 में शुरू किया गया था।

MP BOARD OFFICIAL

प्रश्न 8. स्वतंत्रता के समय हमारे देश में चल रहे कुछ आधुनिक उद्योगों के नाम बताइए।

उत्तर- स्वतंत्रता के समय हमारे देश में चल रहे कुछ आधुनिक उद्योगों के नाम निम्न हैं-

(1) सूती वस्त्र उद्योग (2) पटसन उद्योग
(3) इस्पात उद्योग (4) सीमेंट कारखाना
(5) चीनी मिल्स (6) कागज के कारखाने।

प्रश्न 9. लघु उद्योग क्या है?

उत्तर- लघु उद्योग वे इकाइयाँ हैं जो मध्यम स्तर के विनियोग की सहायता से उत्पादन प्रारंभ करती हैं। इन इकाइयों में श्रम की मात्रा भी कम होती है और सापेक्षिक रूप से वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है।

प्रश्न 10. कुछ उल्लेखनीय अर्थशास्त्रियों के नाम बताइए जिन्होंने औपनिवेशिक काल के दौरान भारत की प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था।

उत्तर- दादाभाई नौरोजी।

प्रश्न 11. आयात प्रतिस्थापन क्या है?

उत्तर- आयात प्रतिस्थापन का आशय है कि जो उत्पादन हम बाहर से आयात करते हैं उसे घर पर अपने देश में ही तैयार किया जाये। आयात प्रतिस्थापन का उद्देश्य वस्तु का निर्माण कर आयात की समस्या से बचना होता है।

प्रश्न 12. जीडीपी के बार में आप क्या समझते हैं?

उत्तर- जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) = कर्मचारियों का मुआवजा + सकल परिचालन अधिशेष + सकल मिश्रित आय + उत्पादन और आयात पर सब्सिडी रहित कर कर्मचारियों का मुआवजा (COE) किये गए कार्य के लिए कर्मचारियों को चुकाए जाने वाले कुछ पारिश्रमिक का मापन करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. औपनिवेशिक काल के दौरान भारत के कृषि ठहराव के मुख्य कारण क्या थे?

उत्तर- उपनिवेश काल से पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि जन्नय थी लेकिन कांग्रेजों ने यहाँ के परंपरागत कृषि ढांचे को नष्ट कर दिया और अपने कार्यों के लिए भू-राजस्व निर्धारण और संग्रहण के नए तरीके लागू किये।

(1) औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू की गई भू-व्यवस्था
(2) प्रौद्योगिकी का निम्न स्तर
(3) सिंचाई सुविधाओं का आभाव
(4) उर्वरकों का नगण्य प्रयोग
(5) आर्थिक एवं सामाजिक पिछड़ापन

औपनिवेशिक शासन काल के दौरान आज के समस्त पूर्वी भारत में जो उस समय बंगाल प्रेसिडेंसी कहा जाता था, में लागू की गई जमींदारी व्यवस्था में कृषि के समस्त लाभ जमींदार हड़प जाते थे। किसानों के पास कुछ नहीं बच पाता था। जमींदार किसानों का शोषण करते थे तथा उनसे लगान वसूलते थे।

प्रश्न 2. योजना के रूप में 'समता के साथ विकास' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- योजना के मुख्य उद्देश्य है आर्थिक संवृद्धि समानता, आत्मनिर्भरता तथा आधुनिकीकरण। समानता के साथ संवृद्धि से आशय समृद्धि के साथ-साथ जन-सामान्य के जीवन में सुधार से है। दूसरी ओर यदि आर्थिक संवृद्धि तथा समानता साथ-साथ है तो इससे अमीर के साथ-साथ गरीब वर्ग भी लाभन्वित होता है।

प्रश्न 3. क्या भारत में अंग्रेजों द्वारा कोई सकारात्मक योगदान दिया गया था? चर्चा करें।

उत्तर- **1. सामाजिक क्षेत्र में-** कई सामाजिक कुरीतियां जैसे विवाह एवं जाति तथा अंधविश्वास संबंधी विचारों में बदलाव आया है। अंग्रेजी व्यवस्था में आधुनिक युग का प्रादुर्भाव हुआ है।

2. शिक्षा के क्षेत्र में- अंग्रेजों के आने के पूर्व भारत में शिक्षा कुछ वर्गों तक ही सीमित थी। अंग्रेजों ने अंग्रेजी माध्यम में ही शिक्षा का प्रसार किया।

3. परिवहन के क्षेत्र में- अंग्रेजों ने भारत में रेल्वे क्षेत्र में बहुत बड़ा सकारात्मक योगदान दिया।

4. औद्योगिक क्षेत्र में- ब्रिटिश राज्य में भारत में कई उद्योगों की स्थापना हुई।

MP BOARD OFFICIAL

5. संचार साधनों का विकास- ब्रिटिश राज्य में डाकघरों एवं टेलीफोन व्यवस्था प्रारंभ हुई। साथ-साथ तार सेवा भी प्रारंभ हुई।

प्रश्न 4. बताएं कि आयात प्रतिस्थापन घरेलू उत्पादन की रक्षा कैसे कर सकता है?

उत्तर- आयात प्रतिस्थापन से अभिप्राय है कि आयात की जाने वाली किसी वस्तु का कुछ या आंशिक रूप से देश के कच्चे माल तथा तकनीकी ज्ञान द्वारा उत्पादित उसी प्रकार के कार्य करने वाली वस्तु द्वारा प्रतिस्थापन करने को ही आयात प्रतिस्थापन कहते है। इसमें घरेलू उद्योगों को उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें आयातित वस्तु पर शुल्क लगाया जाता है। प्रशुल्क लगाने से आयातित वस्तु मंहगी हो जाती है। प्रशुल्क को दे आयात प्रतिबंधित हो जाते है और उनसे विदेशी प्रतियोगिता से घरेलू उद्योग संरक्षित हो जाता है।

प्रश्न 5. आईपीआर 1956 के तहत निजी क्षेत्र को क्यों और कैसे विनियमित किया गया?

उत्तर- औद्योगिक नीति प्रस्ताव, 1956 में निजी क्षेत्र को नियमन पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। इस नीति का प्रयोग छोटे क्षेत्रों में उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। यदि उद्योग आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लगाए गए, तो उन्हें कुछ रियायतें जैसे कर लाभ, कम प्रशुल्क पर बिजली आदि प्रदान की गई।

निजी क्षेत्र में आने वाले उद्योगों का वर्ग था, फिर भी इस क्षेत्र को लाइसेंस की एक प्रणाली के माध्यम से राज्य के नियंत्रण में रखा गया था। जब तक सरकार से लाइसेंस नहीं लिया जाता तब तक किसी नए उद्योग की अनुमति नहीं थी।

प्रश्न 6. योजना अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र को औद्योगिक विकास में अग्रणी भूमिका क्यों दी गई?

उत्तर- योजना अवधि के दौरान औद्योगिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रों को ही अग्रणी भूमिका निम्न कारणों से सौंपी गई थी:

(1) स्वतंत्रता के समय, भारतीय उद्योगपतियों के पास हमारी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक औद्योगिक उपक्रमों में निवेश करने के लिए पूँजी नहीं थी।

(2) न ही भारतीय बाजार इतना बड़ा था कि उद्योगपतियों को बड़ी परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

(3) भारतीय अर्थव्यवस्था को समाजवाद के पथ पर अग्रसर करना था।

(4) देश में आर्थिक एवं सामाजिक समानता को बढ़ाना था। इन सभी तत्वों से प्रभावित होकर सार्वजनिक क्षेत्र को औद्योगिक विकास के लिए अग्रणी भूमिका सौंपी गई। ☐

इकाई-7 आर्थिक सुधार

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. भारत में आर्थिक सुधार वर्ष में शुरू किए गए थे-

(अ) 1990 (ब) 1991

(स) 1992 (द) 1993

2. उदारीकरण का तात्पर्य है-

(अ) सार्वजनिक क्षेत्र की अधिक भूमिका

(ब) निजी क्षेत्र पर सरकारी नियंत्रण में कमी

(स) बिना किसी नियंत्रण वाली मुक्त अर्थव्यवस्था

(द) इनमें से कोई नहीं

3. नई आर्थिक नीति के तहत अर्थव्यवस्था के उदारीकरण ने अर्थव्यवस्था में आरबीआई की भूमिका को बदल दिया

(अ) वित्तीय क्षेत्र के एक 'नियामक' से 'सुविधाकर्ता' तक

(ब) एक 'नियंत्रक' से सरकारी ऋण के 'प्रबंधक' तक

(स) (अ) और (ब)

(द) इनमें से कोई नहीं

4. विश्व व्यापार संगठन को उत्तराधिकारी संगठन के रूप में स्थापित किया गया था-

(अ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)

(ब) कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)

MP BOARD OFFICIAL

(स) व्यापार और टैरिफ पर सामान्य समझौता (GATT)

(द) पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी)

5. भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी रणनीति है?

(अ) आंशिक परिवर्तनीयता

(ब) टैरिफ में कमी

(स) विदेशी निवेश की इक्विटी सीमा में वृद्धि

(द) ये सभी

6. भारतीय अनुभव के संदर्भ में, सरकार द्वारा निम्नलिखित के लिए नियंत्रण लगाए गए थे-

(अ) निजी इजारेदारियों के विकास को रोकना

(ब) देश के वित्तीय संसाधनों पर बड़े औद्योगिक घरानों की पकड़ कम से कम करना

(स) दोनों (अ) और (ब)

(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- 1.(ब) 2.(ब) 3.(अ) 4.(स) 5.(द) 6.(स)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) 1991 से पहले सरकार ने ..... उद्योग पर कई प्रकार के नियंत्रण लगाए हैं घरेलू अर्थव्यवस्था में।

(2) वित्तीय क्षेत्र के ..... के रूप में पूर्व आरबीआई ब्याज दर संरचना तय करेगा देश में वाणिज्यिक बैंकों के लिए।

(3) कर सुधार ..... सुधारों के प्रमुख घटक हैं।

(4) ..... कर वे कर हैं, जिनका भार दूसरों पर डाला जा सकता है।

(5) ..... का तात्पर्य 'सामाजिक हित' पर 'स्व-हित' की सर्वोच्चता से है।

(6) आउटसोर्सिंग ..... की एक शाखा है।

उत्तर- (1) निजी (2) नियामक (3) वित्तीय (4) अप्रत्यक्ष (5) उन्मूलन (6) निजीकरण।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) भारत में आर्थिक सुधारों का कार्यक्रम 24 जुलाई, 1991 को शुरू किया गया था।

(2) नई आर्थिक नीति में एलक्यूपी के एलपीजी द्वारा प्रतिस्थापन निहित है।

(3) उद्योग के नियमन के लिए लाइसेंस (शराब के मामले में) आवश्यक है।

(4) जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र की बढ़ती हिस्सेदारी आर्थिक विकास का संकेत है अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन के आधार पर।

(5) वैश्वीकरण पूँजी की तुलना में श्रम की मुक्त आवाजाही पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है अंतर्राष्ट्रीय बाजार में।

(6) संरचनात्मक परिवर्तन के साथ-साथ आर्थिक विकास को आर्थिक कहा जाता है विकास।

उत्तर- (1) सत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) असत्य (6) सत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
(अ) आंशिक परिवर्तनीयता	1. प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहित करें।
(ब) गैर टैरिफ बाधा	2. आरबीआई द्वारा विनियमित और नियंत्रित।
(स) वित्तीय क्षेत्र	3. पर विदेशी मुद्रा की बिक्री और खरीद बाजार मूल्य
(द) टैरिफ में कमी	4. कोटा बाधाएँ
(इ) प्रत्यक्ष कर।	5. गैट
(ई) बहुपक्षीय व्यापार समझौते।	6. आयकर

उत्तर- (अ) आंशिक (ब) कोटा बाधाएँ (स) RBI द्वारा विनियमित और नियंत्रित (द) प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करें (इ) आयकर ई गैट।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई थी?
2. GATT का पूर्ण रूप लिखिए।
3. गैट की स्थापना कब हुई थी।
4. अप्रत्यक्ष कर का एक उदाहरण दीजिए।
5. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों के दो उदाहरण दीजिए।

MP BOARD OFFICIAL

6. जीएसटी कब पेश किया गया था?

उत्तर- 1. 1 जनवरी 1995, 2. व्यापार और शुल्कों पर सामान्य समझौता, 3. 1948, 4. जी.एस. टी., 5. विश्व बैंक और आई एम एफ, 6. 1 जुलाई 2017.

विश्लेषणात्मक प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. भारत में सुधार क्यों शुरू किए गए?

उत्तर- ऐसे में भारत के 80 के दशक की बजाय एक दशक पहले 1971 में ही आर्थिक सुधारों को अपनाने के लिए एक अच्छा उदाहरण मिल चुका था। भारत में 1980 तक जी एन पी की विकास दर कम थी, लेकिन 1981 में आर्थिक सुधारों के शुरू होने के साथ ही इसने गति पकड़ ली थी। 1991 में सुधार पूरी तरह से लागू होने के बाद यह मजबूत हो गई थी।

प्रश्न 2. आर्थिक विकास में उदारीकरण के योगदान की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- उदारीकरण का अर्थ ऐसे नियंत्रण में ढील देना या उन्हें हटा लेना है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। उदारीकरण में वे सारी क्रियायें सम्मिलित हैं, जिसके द्वारा किसी देश के आर्थिक विकास में बाधा पहुँचाने वाली आर्थिक नीतियों, नियमों, प्रशासनिक नियन्त्रणों, प्रक्रियाओं आदि को समाप्त किया जाता है या उनमें शिथिलता दी जाती है।

प्रश्न 3. भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में वित्तीय क्षेत्र के सहायक के रूप में नियंत्रक से अपनी भूमिका क्यों बदलनी पड़ी?

उत्तर- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 20 के अंतर्गत केंद्र सरकार की प्राप्तियाँ और भुगतानों तथा सरकार के लोक ऋण का प्रबंध करने सहित विनिमय, विप्रेषण और अन्य बैंकिंग परिचालनों का उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक का है। साथ ही उक्त अधिनियम की धारा 21 के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक को भारत सरकार का कारोबार करने का अधिकार है।

भारत में मौद्रिक स्थिरता प्राप्त करने की दृष्टि से बैंक नोटों के निर्गम को विनियमित करना तथा प्रारक्षित निधि को बनाये रखना और सामान्य रूप से देश के हित में मुद्रा और ऋण प्रणाली संचालित करने के लिए उन्हें अपनी भूमिका बदलनी पड़ी।

प्रश्न 4. आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को कैसे नियंत्रित कर रहा है?

उत्तर- भारतीय रिजर्व बैंक सरकारों का सामान्य बैंकिंग व्यवसाय अपने स्वयं के कार्यालयों और अपने एजेंट के रूप में नियुक्त वाणिज्यिक बैंकों, सार्वजनिक और निजी दोनों, के माध्यम से करता है। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 में यह निर्धारित है कि वह विभिन्न प्रयोजनों जिसके अंतर्गत इस संबंध में जनता के हित में, बैंकिंग की सुविधा, बैंकिंग का विकास और ऐसे अन्य कारक जो इसकी राय में इससे संबंधित है। उल्लिखित है, के लिए भारत में सभी स्थानों पर अथवा किसी स्थान पर एजेंट के रूप में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को नियुक्त कर सकता है।

प्रश्न 5. कृषि क्षेत्र इस सुधार के प्रतिकूल रूप से प्रभावित प्रतीत होता है।

उत्तर- कृषि विविधीकरण की प्रमुख समस्याएँ निम्नांकित हैं-

(1) किसानों के पास कृषि विविधीकरण के लिए निवेश की राशि उपलब्ध नहीं होती है।

(2) कृषि विविधीकरण में श्रम संसाधनों की ज्यादा आवश्यकता होती है।

(3) कृषकों की जोखिम उठाने की आदत एवं क्षमता दोनों ही नहीं है।

(4) कृषकों के पास इतना समय नहीं है कि वे विविधीकरण को सीख सकें।

(5) परंपरागत फसलें जैसे गेहूँ, चावल, दाल इत्यादि के सरकार समर्थन मूल्य घोषित करती है, जबकि विविधिकरण फसलों का समर्थन मूल्य घोषित सरकार द्वारा घोषित नहीं किया जाता।

(6) देश की कृषि भूमि भी विविधीकृत खेती के लिए एक समान उपयुक्त नहीं है।

प्रश्न 6. वैश्वीकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ स्थानीय या क्षेत्रीय

MP BOARD OFFICIAL

वस्तुओं या घटनाओं के विश्व स्तर पर रूपांतरण की प्रक्रिया है। इसे एक ऐसी प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए भी प्रमुख किया जा सकता है जिसके द्वारा पूरे विश्व के लोग मिलकर एक समाज बनाते है तथा एक साथ कार्य करते हैं। □

इकाई-8 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. जिन लोगों के पास अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए आमतौर पर पर्याप्त पैसा नहीं होता है, उन्हें कहा जाता है।

(अ) आमतौर पर गरीब (ब) हमेशा गरीब

(स) कभी-कभी गरीब (द) मंथन गरीब

2. निम्नलिखित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

(अ) मरुस्थल विकास योजना

(ब) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

(स) रोजगार कार्यालय

(द) जवाहर योजना

3. निम्नलिखित में से कौनसा/से भौतिक पूँजी का उदाहरण है/हैं?

(अ) मशीन (ब) कौशल

(स) इमारत (द) अ और स दोनों

4. किस पंचवर्षीय योजना ने मानव पूँजी के महत्व को मान्यता दी?

(अ) दसवां (ब) सातवीं

(स) छठा (द) नौवां

5. नाबार्ड की स्थापना ग्रामीण वित्त व्यवस्था में शामिल सभी संस्थानों की गतिविधियों के समन्वय के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में ..... में की गई थी।

(अ) 1981 (ब) 1982

(स) 1983 (द) 1984

6. आर आरबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का मुख्य उद्देश्य को क्रेडिट प्रदान करना है।

(अ) ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्ग

(ब) कमजोर वर्ग

(स) औद्योगिक क्षेत्र (द) कृषि क्षेत्र

7. वर्तमान में, ... सेक्टर भारत में सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है।

(अ) मुख्य (ब) माध्यमिक

(स) तृतीयक (द) इनमें से कोई नहीं

8. भारत में बेरोजगारी का कारण कौनसा है?

(अ) जनसंख्या की तीव्र वृद्धि (ब) बढ़ती कीमतें

(स) सार्वजनिक व्यय में वृद्धि (द) दोषपूर्ण मौद्रिक नीति

उत्तर- 1.(ब) 2.(अ) 3.(ब) 4.(ब) 5.(ब) 6.(अ) 7.(स) 8.(अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति है जिसमें ऐसे लोग जो काम करने के लिए ..... और ..... हैं लेकिन काम नहीं मिल रहा है।

(2) कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में ..... है।

(3) ..... किसानों को एक आश्वासन है कि सरकार द्वारा किसानों की उपज खरीदने के लिए न्यूनतम मूल्य तय किया जाएगा।

(4) कृषि विपणन में सुधार के लिए पहला उपाय ..... है।

(5) ..... ऐसे तत्व हैं जो लोगों को बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं।

(6) ..... समय के साथ मानव पूँजी के भंडार में जोड़ने की प्रक्रिया है।

(7) गरीबी उन्मूलन के जेजीएसवाई कार्यक्रम में डूबा था .....

(8) ..... प्रणाली के तहत सब्सिडी वाले भोजन और गैर खाद्य पदार्थों को गरीब लोगों के बीच वितरित किया जाता है।

उत्तर- (1) सक्षम, इच्छुक (2) उच्चतर (3) एम एस पी (4) बाजार का विनियमन (5) शिक्षा स्वास्थ्य (6) मानव पूँजी

MP BOARD OFFICIAL

निर्माण (7) एस जी आर वाई (8) सार्वजनिक वितरण प्रणाली।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) गरीबी की सापेक्ष अवधारणा देश में असमानता के स्तर का आकलन करने में मदद करती है।

(2) गरीबी उन्मूलन को प्राप्त करने के लिए सरकार ने दो आयामी दृष्टिकोण अपनाया है।

(3) जीवन प्रत्याशा शिक्षा के स्तर का सूचक है।

(4) लोग कभी-कभी बेहतर रोजगार की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन करते हैं।

(5) विवाह और उत्सव के अवसर जैसे सामाजिक उद्देश्यों के लिए उत्पादक उधार है।

(6) 1960-2009 के बीच देश में दुग्ध उत्पादन में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई

(7) माध्यमिक क्षेत्र में निर्माण शामिल है।

(8) वे श्रमिक जो अपनी आजीविका कमाने के लिए किसी उद्यम के मालिक हैं और उसका संचालन करते हैं, स्वरोजगार के रूप में जाने जाते हैं।

उत्तर- (1) सत्य (2) असत्य (3) असत्य (4) सत्य (5) असत्य (6) असत्य (7) सत्य (8) सत्य

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
1. नियोक्त द्वारा नियमित आधार पर काम पर नहीं रखा गया कर्मचारी	- पुणे
2. असामाजिक गतिविधियों में लिप्त	- सामाजिक अशांति
3. हड़सपरमंडी	- दिहाड़ी मजदूर
4. गैर कृषि गतिविधि	- पशुपालन
5. निवारक दवा	- पूर्ण गरीबी
6. कुशल श्रमिक	- अधिक आय
7. उपभोग के न्यूनतम स्तर को प्राप्त करने में सक्षम होने वाला व्यक्ति	- टीकाकरण
8. गरीबी रेखा	- दादाभाई नौरोजी

उत्तर- 1. श्रम 2. सामाजिक अशांति 3. पुणे 4. पशुपालन 5. टीकाकरण 6. अधिकआय 7. पूर्ण गरीबी 8. दादा भाई नौरोजी।

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. गरीब शहरों में रहते हैं।

2. यह एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों की गारंटी मजदूरी रोजगार प्रदान करना चाहता है।

3. अत्यधिक कुशल श्रमिक का विदेश में प्रवास।

4. किसी देश की वासतिवक राष्ट्रीय आय में वृद्धि।

5. ये समूह प्रत्येक सदस्य के न्यूनतम योगदान द्वारा छोटे अनुपात में मितव्ययिता को बढ़ावा देते हैं।

6. इन समाजों के सदस्यों के रूप में, सामूहिक बिक्री के माध्यम से किसान खुद को बेहतर सौदागर पाते हैं।

7. सभी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान और निजी क्षेत्र के वबे प्रतिष्ठान जिनमें 10 या अधिक श्रमिक कार्यरत हैं, कहलाते हैं।

8. यह उस स्थिति को संदर्भित करता हैं जिसमें श्रम का एक अतिरिक्त इनपुट कोई अतिरिक्त उत्पादन उत्पन्न नहीं करता है।

उत्तर- 1. शहरी गरीब, 2. मनरेगा, 3. ब्रेनड्रेन, 4. आर्थिक विकास, 5. स्वयं सहायता समूह, 6. सहकारी समिति, 7. औपचारिक क्षेत्र, 8. प्रच्छन्न बेरोजगारी।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. गरीबी को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- प्रो. गालब्रेथ के अनुसार- "वे व्यक्ति गरीबी ग्रस्त समझे जाते हैं, जिनकी आय यद्यपि जीवन निर्वाह के लिए पर्याप्त है, लेकिन उस समुदाय से अत्यंत कम है जिसका वह सदस्य है।"

गोडार्ड के अनुसार- "गरीबी उन वस्तुओं का अभाव या अपर्याप्त पूर्ति है, जो कि एक व्यक्ति तथा उसके आश्रितों स्वस्थ एवं बलवान बनाये रखने के लिए आवश्यक हैं।

प्रश्न 2. दो प्रमुख कार्यक्रमों के नाम बताइए जिनका उद्देश्य गरीबों के भोजन और पोषण मूल्य में सुधार करना है।

उत्तर- (1) मध्यान्ह भोजन योजना।

(2) राष्ट्रीय पौष्णिक सहायता कार्यक्रम।

MP BOARD OFFICIAL

प्रश्न 3. गरीबों की पहचान करने के दो तरीके क्या हैं?

उत्तर- विश्व बैंक $1 या $2 न्यूनतम आय के आधार पर गरीबी रेखा निर्धारित करता है। इसके अनुसार $2 से कम आय वाले लोग गरीबी रेखा से नीचे माने जाते हैं। 'गरीबी रेखा' से आशय उस रेखा से हैं जो व्यक्ति की औसत मासिक आय या उपभोग व्यय को प्रकट करती है, जिसके द्वारा व्यक्ति न्यूनतम आवश्यकताओं को संतुष्ट कर सके। जिन व्यक्तियों के पास न्यूनतम मासिक व्यय राशि भी नहीं होती उन्हे गरीबी रेखा के नीचे जीवन- यापन करने वाला माना जाता हैं।

प्रश्न 4. भारत में गरीबी के दो कारण लिखिए।

उत्तर- भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या दर है। इससे निरक्षरता, खराब स्वास्थ्य सुविधाएँ और वित्तीय संसाधनों की कमी की दर बढ़ती है। इसके अलावा उच्च जनसंख्या दर से प्रति व्यक्ति आय भी प्रभावित होती है और प्रति व्यक्ति आय घटती है।

प्रश्न 5. स्वास्थ्य व्यय के दो रूप क्या हैं?

उत्तर- स्वास्थ्य का सीधा संबंध क्रियाशीलता से है। जो व्यक्ति शरीर और मन से पूरी तरह क्रियाशील है उसे ही पूर्ण स्वस्थ कहा जा सकता है। कोई रोग हो जाने पर क्रियाशीलता में कमी आती है, इसलिए स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

प्रश्न 6. लोग पलायन क्यों करते हैं?

उत्तर- मानव पलायन के दो कारण हैं। यह वह कारक है जो मनुष्य की प्रवास होने के लिए धक्का या अपनी ओर खींचता है। पुल्ल और पुश कारक चुम्बक के उत्तर और दक्षिण दिशा की तरह हैं, अगर इन दो दिशाओं को आमने सामने रखे तो यह आपस में चिपक जाता है और समान दिशा में रखे तो यह आपस में चिपक जाता है और समान दिशा में रखे तो एक दूसरे से अलग हो जाते है।

प्रश्न 7. मानव पूँजी और मानव विकास में दो अंतर लिखिए।

उत्तर- मानव पूँजी तथा मानव विकास में निम्न अन्तर पाया जाता है-

क्र.	मानव पूँजी	मानव विकास
(1)	मानव पूँजी लक्ष्य प्राप्ति का एक साधन है।	मानव विकास स्वयं लक्ष्य है।
(2)	मानव पूँजी संकुचित धारणा है।	मानव विकास एक विस्तृत धारणा है।
(3)	मानव पूँजी उत्पादता में वृद्धि करती है।	मानव विकास मानवीय कल्याण की ओर ले जाता है।
(4)	मानव पूँजी, मानव विकास की तुलना में संकुचित है।	मानव विकास, मानव पूँजी की तुलना में व्यापक है।

प्रश्न 8. भारत में मानव पूँजी निर्माण की कोई दो समस्याएँ लिखिए।

उत्तर- भारतवर्ष में मानव पूँजी निर्माण के लिए हम निम्नलिखित सुझाव दे सकते हैं-

(1) तकनीकी शिक्षा पर विशेष बल देना चाहिए।

(2) प्रौढ़ शिक्षा के विकास पर अत्यधिक बल देना चाहिए ताकि लोगों का दृष्टिकोण बदला जा सके।

(3) नारी शिक्षा को प्रोत्साहन देना चाहिए। नारी शिक्षा से नारी की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक स्तर में सुधार होगा। साथ ही प्रजनन दर और परिवार के स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

(4) ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ओर शिक्षा की उत्तम सुविधाएँ उपलब्ध करानी चाहिए।

प्रश्न 9. मध्याह्न भोजन योजना के बारे में संक्षेप में लिखें।

उत्तर- मध्यान्ह भोजन योजना देश के 2408 ब्लॉकों में एक केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के रूप में 15 अगस्त 1995 को आरंभ की गई थी। वर्ष 1997-98 तक यह कार्यक्रम देश के सभी ब्लॉकों में आरंभ कर दिया गया। वर्ष 2003 में इसका विस्तार शिक्षा गारंटी केन्द्रों और वैकल्पिक व नवाचारी शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों तक कर दिया गया।

प्रश्न 10. किसानों को ऋण की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर- किसानों को खाद, बीज आदि खरीदने मजदूरी चुकाने तथा ब्याज आदि का भुगतान करने के लिए अल्पकालीन साख या ऋण की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार उन्हें

MP BOARD OFFICIAL

कृषि यंत्र हल बैल आदि खरीदने तथा कृषि के क्षेत्र में स्थायी सुधार लेन के लिए मध्यकालीन और दीर्घकालीन ऋण की भी आवश्यकता होती है।

प्रश्न 11. भारत में ग्रामीण विकास क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर- ग्रामीण विकास का अर्थ लोगों का आर्थिक सुधार और बड़ा सामाजिक बदलाव दोनों ही है। ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में लोगों का बढ़ी हु भागीदारी योजनाओं का विकेन्द्रीकरण, भूमि सुधारों को बेहतर तरीके से लागू करना और ऋण की आसान उपलब्धि करवाकर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का लक्ष्य होता है।

प्रश्न 12. ग्रामीण विकास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- विश्व बैंक के अनुसार- "ग्रामीण विकास एक व्यूह रचना है, जो एक विशिष्ट समूह के व्यक्तियों अर्थात् ग्रामीण निर्धन व्यक्तियों व निम्न वर्ग के व्यक्तियों के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन को सुधारने हेतु की जाती है। इसके अन्तर्गत विकास के लाभ उन दरिद्रतम व्यक्तियों को उपलब्ध कराने होते हैं, जो ग्रामीण अंचलों में रहते हैं। इस समूह के अन्तर्गत लघु कृषक, पट्टेदार तथा भूमिहीनों को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 13. कृषि गतिविधियों का विविधीकरण क्या है?

उत्तर- कृषि विविधीकरण का अभिप्राय कम उत्पादकता की फसलों और फार्म कार्यों के स्थान पर अपेक्षाकृत उच्च मूल्य की फसलों और अन्य फार्म उत्पादों में संसाधन अंतरित करना है। भूमि और जल संसाधनों की बहुलता की कृषि विविधीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 14. चक्रीय बेरोजगारी का अर्थ बताइए।

उत्तर- चक्रीय बेरोजगारी- ऐसी बेरोजगारी तब उत्पन्न होती है जब अर्थव्यवस्था में चक्रीय ऊँच नीच आती है। तेजी, आर्थिक सुस्ती, आर्थिक मंदी तथा पुनरुत्थान चार अवस्थाएं व्यापार चक्र हैं जो एक पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएं हैं।

प्रश्न 15. एक कार्यकर्ता कौन है?

उत्तर- वह व्यक्ति जो शारीरिक श्रम करता है, श्रमिक, मजदूर या कामगार कहलाता है। श्रमिक प्रायः कृषि कार्यों में, निर्माण कार्यों में और कारखानों में काम करते हैं। श्रमिक के पास देने के लिए श्रम ही मुख्य वस्तु है।

प्रश्न 16. भारत में ग्रामीण बेरोजगारी के दो रूपों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- भारत में दो प्रकार की ग्रामीण बेरोजगारी मौसमी बेरोजगारी और प्रच्छन्न बेरोजगारी है।

मौसमी बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति है जहां बहुत से लोगों को एक विशेष मौसम में नौकरी नहीं मिल पाती है। जैसे कि कृषि के मामले में, कारखाने जैसे कि कूलर, आइसक्रीम आदि। प्रच्छन्न बेरोजगारी उस स्थिति को संदर्भित करती है जहां श्रम की सीमांत भौतिक उत्पादकता शून्य होती है या यह नकारात्मक हो सकती है।

प्रश्न 17. रोजगार का अर्थ बताइए।

उत्तर- कोई व्यक्ति जीवन के विभिन्न कालावधियों में जिस क्षेत्र में काम करता है या जो काम करता है, उसी को उसकी आजीविका या वृत्ति या रोजगार कहते हैं। आजीविका अतः ऐसे कार्यों को कहते हैं जिससे जीविकोपार्जन होता है।

प्रश्न 18. बेरोजगारी के दो दुष्परिणाम लिखिए।

उत्तर- बेरोजगारी के दुष्परिणाम निम्नलिखित हैं।

(1) बेरोजगार व्यक्ति अनुशासन हीन, चरित्रहीन एवं आदर्श शून्य व्यवहार करने लगता है और दरिद्रता व दुर्दशा से पीड़ित, भूख का मारा हुआ, कर्ज से दबा हुआ हिंसा और कई प्रकार के आपराधिक कार्यों को करने की ओर अभिमुख हो जाता है।

(2) बेरोजगारी से सामाजिक समस्याओं का प्रादुर्भाव होता है

और देश में आर्थिक समस्या 36 खड़ी होती है। ❑

इकाई-9 बुनियादी ढांचा और पर्यावरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. जल से उत्पन्न शक्ति कहलाती है

(अ) थर्मल पावर (ब) हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर

(स) परमाणु शक्ति (द) ज्वारीय शक्ति

MP BOARD OFFICIAL

2. अवसंरचना के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(अ) बुनियादी ढांचा आर्थिक विकास में योगदान देता है।

(ब) इंफ्रास्ट्रक्चर समर्थन सेवाएँ प्रदान करता है।

(स) सभी आधारभूत सुविधाओं का माल के उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है और सेवाएं

(द) अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के स्वास्थ्य पर कई प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं।

3. विश्व पर्यावरण दिवस ..... को मनाया जाता है

(अ) 5 जून (ब) 15 अगस्त

(स) 1 जनवरी (द) 5 सितंबर

4. सतत विकास ..... द्वारा प्राप्त किया जा सकता है

(अ) प्रदूषण को नियंत्रित करना

(ब) जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना

(स) नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को प्रतिबंधित करना

(द) ये सभी

5. वायुमंडल की निम्न में से किस परत में ओजोन ढाल पाई जाती है?

(अ) क्षोभमंडल (ब) एक्सोस्फीयर

(स) समताप मंडल (द) मेसोस्फीयर

6. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की स्थापना कब की गई थी?

(अ) 1964 (ब) 1974

(स) 1984 (द) 1994

उत्तर- 1.(ब) 2.(स) 3.(अ) 4.(द) 5.(स) 6.(ब)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) समताप मंडल में क्लोरीन और ब्रोमीन यौगिकों की उत्पत्ति ..... हैं।

(2) थर्मल पावर प्लांट बड़ी मात्रा में ..... का उत्सर्जन करते हैं जो एक ग्रीनहाउस गैस है।

(3) ..... संसाधन वे हैं जो निष्कर्षण और उपयोग से समाप्त हो जाते हैं।

(4) सौर ऊर्जा को ..... सेल की सहायता से बिजली में परिवर्तित किया जा सकता है।

(5) ग्राम स्तर के अस्पतालों को ..... के रूप में जाना जाता है

(6) ..... ऊर्जा के स्रोत प्रकृति/जंगल में पाए जाते हैं।

उत्तर- (1) क्लोरोफ्लोरोकार्बन (2) CO_2 (3) गैर-नवीकरणीय (4) फोटो वोल्टिक (5) पी एच सी (6) गैर वाणिज्यिक।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) बिजली की मांग की वृद्धि दर हमेशा जीडीपी विकास दर से कम होती है।

(2) माध्यमिक क्षेत्र के अस्पतालों में उन्नत स्तर के उपकरण और दवाएँ हैं।

(3) पिछले छह दशकों में भारत में ढांचागत विकास एक समान नहीं रहा है।

(4) विश्व के कुल लौह-अयस्क भंडार का लगभग 20 प्रतिशत अकेले भारत में है।

(5) सतत विकास पर्यावरण के संरक्षण का पर्याय है।

(6) सिंचाई प्रणाली की अनुचित योजना और प्रबंधन भूमि निम्नीकरण के लिए जिम्मेदार कारकों में से एक है।

उत्तर- (1) असत्य (2) असत्य (3) सत्य (4) सत्य (5) सत्य (6) सत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
1. भारत में दक्कन का पठार	- (अ) समुद्र के स्तर में वृद्धि
2. भारत-गंगा के मैदान	- (ब) पेट्रोलियम, कोयला, लौह अयस्क, आदि।
3. अक्षय संसाधन	- (स) काली मिट्टी में समृद्ध
4. गैर-नवीकरणीय संसाधनों	- (द) बढ़ते शहरीकरण
5. पर्यावरण संकट का कारण	- (इ) पेड़, मछली, पानी
6. ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव	- (ई) सघन खेती और घनी आबादी

उत्तर- 1.(स) 2.(ई) 3.(इ) 4.(ब) 5.(द) 6.(अ)

प्रश्न 4. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. मृदा अपरदन का मुख्य कारण क्या है?

2. सीपीसीबी द्वारा कितनी औद्योगिक श्रेणियों की पहचान महत्वपूर्ण प्रदूषण के रूप में की गई है?

MP BOARD OFFICIAL

3. ऊर्जा का वाणिज्यिक स्रोत क्या है?
4. कितने प्रतिशत ग्रामीण परिवार खाना पकाने के लिए जैव-ईंधन का उपयोग करते हैं?
5. कौनसा देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 50 प्रतिशत बुनियादी ढांचे में निवेश करता है?
6. 1953-54 में कौनसा क्षेत्र वाणिज्यिक ऊर्जा का सबसे बड़ा उपभोक्ता था?

उत्तर- 1. वनों की कटाई, 2. 17, 3. कोयला, 4. 90%, 5. चीन, 6. परिवहन।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. पर्यावरण के जैविक और अजैविक तत्वों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- हमारा वातावरण जैविक एवं अजैविक घटक से मिलकर बना है। जैविक घटक में सारे जीव-जंतु पेड़-पौधे हम छोटे-छोटे बैक्टीरिया और कवक आते हैं। मतलाब जिसमें जीवन होता है, और अजैविक घटक में सारे रासायनिक पदार्थ या मृत पदार्थ आते हैं।

जैसे- कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन इत्यादि।

प्रश्न 2. सौर ऊर्जा के उपयोग के लाभ बताइए।

उत्तर- सौर ऊर्जा कभी खत्म न होने वाला संसाधन है और यह नवीकरणीय संसाधनों का सबसे बेहतर विकल्प है। सौर ऊर्जा वातावरण के लिए लाभकारी है। जब इसे उपयोग किया जाता है तो यह वातावरण में CO_2 और अन्य हानिकारक गैसें नहीं छोड़ती है। सौर ऊर्जा के पैनलों को आसानी से घरों में कहीं पर भी रखा जा सकता है इसलिए ऊर्जा के अन्य स्रोतों की तुलना में यह काफी सस्ती है।

प्रश्न 3. आज भारत के कुछ प्राथमिकता वाले पर्यावरणीय मुद्दों की सूची बनाएँ।

उत्तर- पर्यावरण अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता का विषय बन गया है। भारत सरकार पर्यावरण के संबंध में सचेत है, इसलिए वर्ष 1985 में पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्थापना की गई है। भारत में पर्यावरण संरक्षण हेतु बनाये गये कुछ प्रमुख अधिनियम निम्न हैं- (1) वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम 1972, (2) जल (प्रदूषण निवारण एवं नियन्त्रण) अधिनियम 1974 संशोधित 1988, (3) वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियन्त्रण) अधिनियम 1986, (5) वन्य संरक्षण अधिनियम 1980, संशोधित 1988, (6) जोखिमपूर्ण कचरा अधिनियम 1989, (7) राष्ट्रीय वृक्षारोपण तथा ध्वनि विकास बोर्ड की स्थापना, (8) राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड की स्थापना, (9) पर्यावरण कार्यवाही योजना (ई.ए.पी.) का शुभारंभ, (10) पर्यावरण शिक्षा पर विचार गोष्ठियों का आयोजन।

प्रश्न 4. भारत में स्वास्थ्य देखभाल शहरी-ग्रामीण और अमीर-गरीब विभाजन से पीड़ित है। कैसे समझाओ?

उत्तर- आज विश्व के सामने यह समस्या है कि इस विकास को सतत एवं दीर्घगामी रूप कैसे दिया जाए। उत्पादन चक्र को गतिवान रखने के लिए एक नियमित और निरंतर बढ़ती हुई ऊर्जा आपूर्ति इतनी महत्वपूर्ण हो जाती है कि कोई भी विकास इनकी सुनिश्चित उपलब्धता के बिना-संभव नहीं है। आर्थिक विकास के अंतर्गत मानवीय उपभोग की विविध वस्तुओं के उत्पादन में प्रगतिशील वृद्धि का भाव निहित रहता है। उत्पादन चक्र को गतिमान रखने के लिए एक नियमित और निरंतर बढ़ती हुई ऊर्जा आपूर्ति इतनी महत्वपूर्ण होती है कि कोई विकास इसकी सुनिश्चित उपलब्धता के बिना संभव नहीं है।

प्रश्न 5. ऊर्जा के प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- 1. बेरोजगारी- जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ बेरोजगारों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। बेरोजगारी से आशय है शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से योग्य व्यक्ति को काम नहीं मिलना। बेरोजगारी के कारण व्यक्ति को गरीबी में जीवन व्यतीत करना पड़ता है।

2. निम्न उत्पादकता- विकसित देशों की तुलना में भारतीय श्रमिकों की उत्पादकता काफी कम है। निम्न उत्पादकता के कारण आय भी कम प्राप्त होती है जिससे गरीबी की स्थिति बनी रहती है।

3. मूल्य में वृद्धि- आय की तुलना में वस्तुओं के मूल्यों में ज्यादा वृद्धि होने के कारण क्रयशक्ति में कमी आती है

MP BOARD OFFICIAL

जिससे गरीब, गरीब ही बने रहते हैं। यद्यपि श्रमिकों की मौद्रिक आय में तो वृद्धि होती है पर वास्तविक आय कम ही बनी रहती है।

4. कृषि जनसंख्या में वृद्धि- जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ कृषि पर आधारित जनसंख्या में भी वृद्धि हो जाती है। कृषि आय का बँटवारा इस बड़ी हुई जनसंख्या में होता है जो गरीबी का एक कारण बनता है।

5. अशिक्षा- यद्यपि स्वतंत्रता के पश्चात् शिक्षा के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि हो रही है पर आज भी भारत की 35 प्रतिशत जनसंख्या निरक्षर है। अशिक्षित व्यक्ति सही ढंग से निर्णय नहीं ले पाने के कारण गरीब बना रहता है। साथ ही उसका विभिन्न प्रकार से शोषण भी किया जाता है।

6. संयुक्त परिवार प्रणाली- भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली एक गुण के रूप में स्वीकार की गयी है। पर इस प्रणाली ने कई सदस्य आर्थिक रूप से कुछ भी योगदान नहीं देते हैं जिससे गरीबी की स्थिति बनी रहती है।

7. पूँजी की कमी- राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय कम होने के कारण भारत में पूँजी की कमी बनी रहती है। जिससे नये उद्योग-धन्धों की स्थापना नहीं हो पाती है। फलत: रोजगार के अवसरों की कमी के कारण गरीबी बनी रहती है।

8. प्राकृतिक संसाधनों का अपर्याप्त विदोहन- भारत में प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, जिसके कारण भारत को धनी देश कहा जाता है पर इन संसाधनों का उचित विदोहन नहीं हो पा रहा है जिससे यहाँ के निवासी गरीब ने हुए हैं।

प्रश्न 6. ऊर्जा के प्राथमिक और द्वितीयक स्त्रोतों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-

क्र.	ऊर्जा के परंपरागत स्त्रोत	ऊर्जा के गैर परंपरागत स्त्रोत
1.	ये वे स्त्रोत हैं जिनका उपयोग मनुष्य बहुत पहले से कर रहा हैं।	ये वे स्त्रोत हैं जिनका उपयोग हाल ही में शुरु हुआ हैं।
2.	परम्परागत ऊजा के स्त्रोत हैं- कोयला, खनिज तेल, जल विद्युत।	गैर-परम्परागत ऊर्जा के स्त्रोत हैं- पवन, सूर्य, ज्वारीय ऊर्जा, गोबर गैस आदि।
3.	ये प्रदूषण फैलाते हैं।	ये प्रदूषण मुक्त हैं।
4.	ये खर्चीले हैं।	ये कम खर्चीले हैं।
5.	इनमें ऊर्जा का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाता हैं।	इनमें ऊर्जा का निर्माण छोटे पैमाने पर किया जाता है।

□

इकाई-10 भारत और उसके पड़ोसी देशों का तुलनात्मक अध्ययन

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान केंद्रित था-

(अ) विस्तृत औद्योगीकरण पर (ब) नई कृषि नीति

(स) निजीकरण पर (द) आर्थिक सुधारों पर

2. निम्नलिखित में से किस देश ने शिशु नीति अपनाई है-

(अ) भारत (ब) चीन

(स) पाकिस्तान (द) इनमें से कोई नहीं

3. भारत का सर्वोच्च कार्यबल किस क्षेत्र में कार्य करता है?

(अ) प्राथमिक क्षेत्र (ब) माध्यमिक क्षेत्र

(स) तृतीयक क्षेत्र (द) इनमें से कोई नहीं

4. भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है-

(अ) 68.8 (ब) 76.4

(स) 66.4 (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- 1.(अ) 2.(ब) 3.(अ) 4.(अ)।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) भारत की राष्ट्रीय आय में सबसे अधिक योगदान ..... क्षेत्र।

(2) चीन के सकल घरेलू उत्पाद में ..... क्षेत्र का योगदान सबसे ज्यादा है।

(3) चीन में ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान ..... में शुरू हुआ।

MP BOARD OFFICIAL

(4) मानव विकास रिपोर्ट 2016-17 के अनुसार विश्व में भारत का HDI नंबर .....

उत्तर- (1) सेवा (2) औद्योगिक (3) 1958 (4) 130.

प्रश्न 3. सत्य / असत्य लिखिए-

(1) भारत का मानव विकास सूचकांक चीन की तुलना में बेहतर है।

(2) भारत में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक है।

(3) भारत ने 1991 में आर्थिक सुधारों की शुरुआत की।

(4) एचडीआई के मुख्य घटक तीन हैं।

उत्तर- (1) असत्य (2) सत्य (3) सत्य (4) सत्य।

प्रश्न 4. सही जोड़ी मिलाइए-

(अ)	(ब)
1. चीन में आर्थिक सुधार	- 1978
2. पाकिस्तान में आर्थिक सुधार	- 1988
3. भारत में आर्थिक सुधार	- 1991
4. चीन गमराज्य की स्थापना	- 1949

उत्तर- 1. 1978, 2. 1988, 3. 1991, 4. 1949.

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए-

1. एचडीआई का पूर्ण रूप लिखें।
2. विश्व स्तर पर एक सबसे गरीब देश का नाम लिखिए।
3. किस देश में एक बच्चे की नीति घोषित की गई थी?
4. GDP का पूर्ण रूप लिखिए।

उत्तर- 1. मानव विकास सूचकांक, 2. नाइजीरिया, 3. चीन, 4. ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. मानव विकास संकेतक लिखिए।

उत्तर- मानव विकास के कुछ महत्वपूर्ण संकेतक निम्न हैं-

1. जीवन प्रत्याशा- जितनी अधिक उतना अच्छा।

2. प्रौढ़ साक्षरता- जितनी अधिक उतना अच्छा।

3. निर्धनता रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत- जितना कम उतना अच्छा।

4. शिशु मृत्यु दर- जितनी कम उतना अच्छा।

5. मातृ मृत्यु दर- जितनी कम उतना अच्छा।

6. स्वच्छ जल पाने वाली जनसंख्या का प्रतिशत- जितनी कम उतना अच्छा।

7. कुपोषित जनसंख्या का प्रतिशत- जितनी कम उतना अच्छा।

8. बेहतर सफाई सुविधा मिलने वाली जनसंख्या का प्रतिशत- जितनी अधिक उतना अच्छा।

9. सकल घरेलू उत्पाद प्रति व्यक्ति (PPP US $)- अधिक उचित।

10. मान (मूल्य) ऊँचा अच्छा है।

11. पद निम्न अच्छा है।

प्रश्न 2. ''द ग्रेट लीप फॉरवर्ड'' कार्यक्रम का उद्देश्य क्या था?

उत्तर- वर्ष 1958 में, ग्रेट लीप फॉरवर्ड (Great Leap Forward) नामक अभियान आरम्भ किया गया, जिसका उद्देश्य कम समय में देश का बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण करना था।

प्रश्न 3. किन क्षेत्रों में भारत की स्थिति पाकिस्तान से बेहतर है? संक्षेप में बताएं।

उत्तर- भारत की विकासात्मक रणनीति के प्रमुख बिन्दु निम्न हैं-

- भारत ने विकास की जिम्मेदारी को बहुत हद तक निजी क्षेत्र की ओर स्थानांतरित कर दिया है।
- भारत की अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर बहुत जोर दे रही है।
- भारत की अर्थव्यवस्था ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया है।
- वर्ष 1991 से नई आर्थिक नीति के तहत उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण को आत्मसात किया है।
- नई आर्थिक नीति के तहत् आयात प्रतिस्थापना की तुलना में निर्यात प्रोत्साहन को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

प्रश्न 4. भारत के प्रमुख जनसांख्यिकीय लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- छात्र स्वयं पूर्ण करें।

MP BOARD OFFICIAL

प्रश्न 5. चीन द्वारा अपनाई गई विकास रणनीति की रूपरेखा दीजिए।

उत्तर- (1) वर्ष 1958 में, **ग्रेट लीप फॉरवर्ड** (Great Leap Forward) नामक अभियान आरम्भ किया गया, जिसका उद्देश्य कम समय में देश का बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण करना था।

(2) कम्यून अभियान के तहत सामूहिक खेती की शुरुआत की गई। वर्ष 1958 में चीन में 26,000 कम्यून थे।

(3) वर्ष 1965 में माओ त्से तुंग (Mao Tse Tung) ने महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रान्ति (1966-76) शुरु की। इस प्रणाली में छात्रों और विशेषज्ञों को ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने और अध्ययन करने के लिये भेजा गया।

(4) वर्ष 1978 में आर्थिक सुधार प्रारम्भ किये।

(5) **दोहरी कीमत निर्धारण पद्धति** (Double Pricing System) लागू की गई।

(6) विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZs) स्थापित किए गए।

प्रश्न 6. क्षेत्रीय और आर्थिक समूह के गठन के कारण बताइए।

उत्तर- छात्र स्वयं पूर्ण करें। □

MP BOARD OFFICIAL